www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
2 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 93 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चढ़ावा चोरी का 'नाटक' करने पर राहुल-पप्पू यादव पर एफआईआर

● लखनऊ में हिंदूवादी नेता बोला-पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देंगे

लखनऊ/वाराणसी (एजेंसी)। दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी के सांकेतिक नाटक को लेकर यूपी में बवाल बढ़ता जा रहा है। शनिवार को लखनऊ, वाराणसी, मथुरा समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हुआ। वाराणसी में पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर

जगदगुरु बालक दास की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। राहुल-अखिलेश के मुखौटे पहने लोगों पर चप्पलें बरसाईं। संगठन ने पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देने का ऐलान किया। मथुरा में साधु-संतों ने पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की। बता दें कि शुक्रवार को संसद के बाहर पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे थे।

पटियाला में चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध किया

चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ के नारे लगाए, हूटिंग भी की

जालंधर/पटियाला (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और प्रदेश प्रधान अमरिंदर राजा वड़िंग के बीच की गुटबाजी अब वर्करों में भी पहुंच गई है। शनिवार को पटियाला के समाना में कार्यक्रम के दौरान चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध कर दिया। उन्होंने वड़िंग की हूटिंग करते हुए चन्नी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। यहां राजा वड़िंग ने जैसे ही बोलना शुरू किया तो समर्थकों ने चन्नी के हक में नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने 'चन्नी लियाओ-पंजाब बचाओ', चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ के नारे लगाए। इससे राजा वड़िंग भड़क गए,

उन्होंने पूछा कि क्यों नारे लगा रहे हो। जिसने पार्टी का प्रोग्राम खराब किया, उसके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई होगी। पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी ने प्रभारी भूपेश बघेल के दौरे का बायकॉट कर रखा है। पंजाब में बूथ मजबूत करने की ये मुहिम प्रधान राजा वड़िंग की अगुआई में चलाई जा रही है। जिस वजह से चन्नी और उनके साथ चल रहे सांसद सुखजिंदर रंधावा भी इस मुहिम से दूर हैं। कल शुक्रवार को भी फतेहगढ़ साहिब में हुए कार्यक्रम में चन्नी नहीं पहुंचे थे। यहां सिर्फ राजा वड़िंग व उनके गुट के नेता ही मौजूद थे। यहां प्रधान राजा वड़िंग ने दावा किया था कि एएपी के 6 सांसदों के बाद अब 40 से 45 विधायक भी पार्टी छोड़ सकते हैं, उन्हें लग रहा है कि 2027 के चुनाव में उनकी टिकट काटी जा सकती है। इस बारे में सीक्रेट मीटिंग भी हो चुकी है। राजा वड़िंग को दोबारा कमान सौंपे जाने के बाद से नाराजगी है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट

पीएम को गाली देने वाली लड़की ने मांगी माफी

● कहा-मैं 15 साल की, मेरी पहली और आखिरी गलती ● दीपके आए सामने, बोले-क्या केस भी वापस होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगने का वीडियो जारी किया है। उसने कहा, 'मैं सिर्फ 15 साल की हूं, यह मेरी पहली और आखिरी गलती थी। मैं बहकावे में आ गई थी।' वीडियो सामने आने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने शनिवार को पूछा, 'क्या सरकार केस भी वापस लेगी।' लड़की के खिलाफ 30 जुलाई को नोएडा में केस दर्ज हुआ था। इधर, पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की थी। इसमें उन्होंने कहा था, 'मुझे और मेरी मां को भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले बच्चों को माफ करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह लड़की हाथ जोड़कर अपने बयान पर माफी मांगती नजर

आ रही है। वीडियो में लड़की कहती है, 'मैं 15 साल की हूं। अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस घूमने गई थी। वहां छात्र प्रदर्शन चल रहा था और आसपास मौजूद कुछ लोग पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। मैं उसी माहौल और भीड़ के बहकावे में आ गई।'

मोदी रील में बोले-

भटके बच्चों को माफ करना चाहता हूं

पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की। उन्होंने कहा बचपन में गलतियां होती हैं। बचपन की गलतियों को सुधारने का अवसर भी होता है। ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाने का समय है, इन्हें माफ करना चाहता हूं। यह पिछले 9 दिनों में पीएम का 5वां वीडियो है। रात 11 बजे जारी किए गए वीडियो को 30 मिनट में 13 लाख लोगों ने लाइक किया।

हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा:

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें, दो युवकों की मौके पर मौत

हरिद्वार : उत्तराखण्ड के हरिद्वार जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। पथरी थाना क्षेत्र के कटारपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

कटारपुर के पास हुआ भीषण हादसा

पुलिस के अनुसार, बादशाहपुर निवासी 24 वर्षीय सौरभ पुत्र भरत सिंह अपने एक रिश्तेदार को हरिद्वार छोड़ने के बाद बाइक से वापस घर लौट रहे थे। उसी समय फेरुपुर की ओर से 26 वर्षीय राजा पुत्र राजू, निवासी पुरुषोत्तम नगर, पथरी बंगला, हरिद्वार अपनी बाइक से हरिद्वार की ओर जा रहे थे। कटारपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

अस्पताल पहुंचने से पहले थम गईं सांसें

हादसे की सूचना मिलते ही पथरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया।

12 साल में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 166 हुई

● पीएम मोदी बोले, आंध्र प्रदेश में विकास परियोजनाओं की शुरुआत की ● कहा-पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे, हमने परंपरा बदली

अमरावती (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को आंध्रप्रदेश के अमरावती में कहा, 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।' उन्होंने कहा, 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।' पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने कहाकि पिछले 12 साल में देश में 74 से बढ़कर अब 166 एयरपोर्ट हो गए हैं। पीएम ने दोपहर 3.30 बजे कर्नाटक के मैसूरु में श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र-विवेक स्मारक का उद्घाटन भी किया। पीएम ने कहा- आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में एनडीए की पूरी टीम डबल स्पीड से काम कर रही है।

हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा

प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुछ दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का शुभारंभ हुआ। आज वही मॉडल के पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। इससे अमृतसर से 25 से ज्यादा डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगी। पीएम ने कहा- पहले एयरपोर्ट ने नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे। हमने इस परंपरा को बदला। हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा, और इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा।

अल्लूरी सीताराम ने आदिवासियों के लिए काम किया

मोदी ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज वहां पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। ये एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है। आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए बेहद अहम है। स्वर्ण आंध्र विजन को नई गति मिली है। शुभ अवसर पर उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। भगवान वराहलक्ष्मीनरसिंह स्वामी, श्री कुर्मनाथस्वामी और मां पौंडितल्ली अम्मवारू को नमन। 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इनमें एयरपोर्ट, सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। विकास के साथ भिमसा (धीमसा) नृत्य ने भी नया सांस्कृतिक रिकॉर्ड बनाया। धीमसा नृत्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति अद्भुत रही। इसमें देश की विविधता और जनजातीय विरासत की झलक दिखी।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने उतारा दोस्त रूस का कर्ज

● प्रतिबंधों के बीच बना तारणहार, भड़क सकता है यूरोप

मास्को/नई दिल्ली/कीव (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच दोस्ती सोवियत जमाने से ही दुनिया में एक मिसाल है। साल 1971 का बांग्लादेश युद्ध हो या भारत का परमाणु विस्फोट, रूस भारत के साथ हमेशा खड़ा रहा। आज भी भारत के करीब 65 फीसदी हथियार रूसी मूल के हैं। अब यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस जंग

में बुरी तरह से फंस गया है और लाखों की तादाद में रूसी सैनिक हताहत हुए हैं। रूस के लिए महासंकट की इस घड़ी में भारत ने रूस का पुराना कर्ज एक तरह से उतार दिया है। भारत अमेरिका के 100 फीसदी टैरिफ के खतरे के बाद भी न केवल रूस से जमकर तेल खरीद रहा है, बल्कि उसे ऐसे 50 हजार बेहद जरूरी सामानों का भी निर्यात कर रहा है जो उसे पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से नहीं मिल पा रहे हैं। भारत के सप्लाई चेन की मदद से रूस आगे बढ़ रहा।

भारत और रूस दोस्ती दशकों पुरानी

स्ट्राइडर कंपनी के शोधकर्ताओं ने 50 हजार कंट्रोल्ड या संवेदनशील सामनों को तीसरे देशों में ट्रैक किया जो यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद भारत के रास्ते रूस जा रहा है। कंपनी का कहना है कि ये यूरोप में बने सामान हैं जो भारत के रास्ते रूस जा रहे हैं। इन सामानों के बारे में पहली बार खुलासा हुआ है। इन सामानों में इलेक्ट्रानिक, मशीनरी, ट्रांसपोर्ट के सामान, मेटल और अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन सामानों में कई तो दोहरे इस्तेमाल वाले हैं या संवेदनशील उपकरण माने जाते हैं। इस शोध में दावा किया गया है कि यूरोप या ब्रिटेन के सामानों को भारत में असेंबल करके उसे रूस भेजेंगे।

टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा अमेरिका

विश्लेषकों का कहना है कि अब भारत भी रूस की मदद कर उसका कर्ज उतार रहा है। भारत के इस रुख से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं। अमेरिका में तो सीनेट में बिल पेश हुआ है जिसमें कहा गया है कि रूस से तेल आयात करने वाले भारत और चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। कई एक्सपर्ट का कहना है कि मेक इन इंडिया नीति की वजह से भारत अब इतना बड़ा ग्लोबल सोर्सिंग का हब बन गया है जिसका यूरोपीय देशों के पास भी विकल्प नहीं है। भारत और रूस के बीच अब कुल व्यापार करीब 70 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत और रूस इसे साल 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत और रूस के बीच व्यापार अभी और बढ़ने जा रहा है।

घाटी में 2 हिंदू मजदूरों की गोली मारकर हत्या

आतंकियों ने नाम पूछकर फायरिंग की, दोनों छत्तीसगढ़ के

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे पहलगाम जैसा हमला हुआ। आतंकवादियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। पुलिस को यह जानकारी मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। हमले में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे ने शनिवार सुबह श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल

साइंस में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारे गए युवकों की पहचान 24 साल के दीपक रात्रे और 28 साल के भूपेंद्र के रूप में हुई है। बता दें कि 22 अप्रैल 25 को पहलगाम में हमला हुआ था।

एक आतंकी के पाकिस्तानी होने का शक

सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसियों को हमले में एक स्थानीय और एक पाकिस्तानी आतंकी के शामिल होने का शक है। शुरुआती जांच का फोकस मोहम्मद लतीफ पर है। वह पिछले साल टीआरएफ में शामिल हुआ था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि मृतकों के परिवार को पहले से दिए जा रहे 6 लाख के मुआवजे को बढ़ाया जाएगा।

भट्ठे पर काम करने वाले यही दोनों हिंदू थे

अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। घटना के समय वहां कई प्रवासी मजदूर थे, लेकिन सिर्फ यही दोनों हिंदू थे। इस हमले के बाद घटनास्थल के चारों तरफ करीब दो किलोमीटर का इलाका सील कर दिया गया है। आतंकियों की तलाश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि एक बाइक पर 2 आतंकी आए थे। इनके आतंकी गुट लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के होने का अनुमान है। दरअसल, नॉन लोकल को निशाना बनाता रहा है।

संदिग्ध आतंकी की दोस्त साहिबगंज से गिरफ्तार

● हनीट्रैप के जरिए संवेदनशील जानकारी जुटाने का आरोप ● जैश की सदस्य, पश्चिम बंगाल एसटीएफ अपने साथ ले गई

साहिबगंज (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद संगठन के आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र से 21 वर्षीय अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। स्त्रस्त्र का दावा है कि अर्पिता हमीम मंडल के संपर्क में। अर्पिता की भूमिका की जांच एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल

के बर्धमान ले जाया गया है। एसटीएफ के अनुसार, गुरुवार को पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार हमीम मंडल से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के दौरान अर्पिता सरकार का नाम सामने आया। एजेंसी का कहना है कि दोनों के बीच कई वाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल संवाद मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। यह भी दावा किया गया है कि दोनों सामान्य फोन कॉल के बजाय एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से संपर्क में रहते थे।

पीएम मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा के हर फैसले में अजीत डोभाल

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनएसए अजीत डोभाल की तगड़ी तारीफ की है। पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 प्रदान करने के मौके पर शाह ने कहा कि मुझे खुशी है कि तिलक स्मारक ट्रस्ट ने अजीत डोभाल को तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना। 2014 में पद संभालने के बाद पीएम मोदी ने जो पहला चयन किया, वह अजीत डोभाल को एनएसए नियुक्त करना था। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पीएम मोदी के हर फैसले में अजीत डोभाल की पर्दे के पीछे भूमिका और सलाह रही है। शाह ने इसके साथ ही लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को याद किया है। उन्होंने कहा कि आज उनकी 106वीं पुण्यतिथि है। मैं गहरे सम्मान के साथ तिलक महाराज को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी को याद किया

अमित शाह ने कहा कि जब भी मैं आंखें बंद करके उन्हें पुणे की पारंपरिक पगड़ी पहने हुए गर्व के साथ वह घोषणा करते हुए सोचता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है कि वह कितना शानदार और प्रेरणादायक पल रहा होगा जब उन्होंने वे अमर शब्द कहे थे। इसी धरती से छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की घोषणा की थी।

राष्ट्रपति भवन के एट होम रिसेप्शन के लिए अल्मोड़ा की गर्विता भाकुनी का चयन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले एट होम रिसेप्शन में उत्तराखण्ड से गर्विता भाकुनी का चयन हुआ है। गर्विता लोअर मॉल रोड, अल्मोड़ा की निवासी हैं, जो इस महत्वपूर्ण समारोह में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। देशभर से कुल पांच युवा आपदा मित्र कैडेट्स का चयन किया गया है, जिसमें गर्विता भी हैं। गर्विता भाकुनी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की युवा आपदा मित्र कैडेट हैं। उत्तराखण्ड के अलावा कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मिजोरम तथा नागालैंड से एक-एक युवा आपदा मित्र कैडेट का इस समारोह हेतु चयन किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गर्विता भाकुनी को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान उत्तराखण्ड के युवाओं की सेवा भावना, अनुशासन एवं आपदा प्रबंधन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में समुदाय ही सबसे पहला प्रतिक्रियादाता होता है। यदि स्थानीय समुदाय और युवा प्रशिक्षित हों तो राहत एवं बचाव कार्य अधिक प्रभावी, त्वरित और सुरक्षित ढंग से किए जा सकते हैं। इसी सोच के साथ राज्य सरकार युवाओं को आपदा प्रबंधन तंत्र से जोड़ रही है, ताकि वे संकट की घड़ी में समाज की सहायता करने के साथ-साथ आपदा जोखिम को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे आपदा संवेदनशील राज्य में प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवकों का मजबूत नेटवर्क भविष्य की चुनौतियों से निपटने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा तथा समाज में आपदा सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से संचालित युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड में 4,310 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इनमें राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), मेरा युवा भारत (एमवाईबी) तथा भारत स्काउट एवं गाइड के स्वयंसेवक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 2,700 युवाओं को आपदा प्रबंधन, खोज एवं बचाव, प्राथमिक उपचार, निकासी, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सामुदायिक जागरूकता तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

उत्तराखण्ड का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात : गर्विता

गर्विता भाकुनी ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित एट होम रिसेप्शन में उत्तराखण्ड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना उनके लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि युवा आपदा मित्र के रूप में प्राप्त प्रशिक्षण ने मुझे समाज की सेवा करने का आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का एहसास कराया है। मैं भविष्य में भी आपदा प्रबंधन एवं जनसेवा के क्षेत्र में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करती रहूंगी और अन्य युवाओं को भी इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करूंगी।

मोतियाबिंद शिविर में 20 ने कराई जांच

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सौजन्य से राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जखोली में आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 20 लोगों के नेत्रों की जांच की गई। अगला निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर 05 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनसूना में होगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में आयोजित मोतियाबिंद शिविर में विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर देहरादून की स्वास्थ्य टीम द्वारा 20 लोगों के नेत्रों की जांच की, जिसमें से 05 ग्रामीणों के नेत्र मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए तथा 14 लोगों को दवा वितरित की गई। मोतियाबिंद से ग्रसित लोगों का देहरादून स्थिति विवेकानंद नेत्रालय में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। उन्हें विवेकानंद नेत्रालय रामकृष्ण मिशन आश्रम की टीम द्वारा देहरादून ले जाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल बताया कि राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में विभिन्न स्थानों पर अगस्त माह में 06 और शिविरों का आयोजन प्रस्तावित है, जिसके तहत अगला निःशुल्क मोतियाबिंद 05 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनसूना में प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने जनमानस से इन निःशुल्क शिविरों का लाभ प्राप्त करने की अपील करते हुए बताया कि उक्त शिविरों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र की आशा फेसिलिटेटर व आशा कार्यकत्री से संपर्क कर सकते हैं। मोतियाबिंद शिविर में सेवा प्रदान करने वालों में विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर देहरादून के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. नितिन रावत, दृष्टिमितिज्ञ सौरभ बर्तवाल, सहायक पीयूष व अनिल कुमार शामिल थे।

एक नजर

तबादले के एक माह बाद भी अस्पतालों में नहीं पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्स

कर्णप्रयाग। स्वास्थ्य विभाग के तबादलों को एक माह बीतने के बावजूद कर्णप्रयाग उपजिला अस्पताल और सिमली महिला बेस अस्पताल में मिले विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अब तक तैनाती नहीं ली है जिससे मरीजों को इलाज के लिए बाहर भटकना पड़ रहा है।

बीते माह सिमली में तीन महिला रोग विशेषज्ञ और कर्णप्रयाग में एक हड्डी रोग विशेषज्ञ के साथ ही कर्णप्रयाग में एक नेत्र रोग विशेषज्ञ की तैनाती की गई थी लेकिन विभागीय सूत्रों के अनुसार इन सभी चिकित्सकों ने अन्यत्र समायोजन करा लिया है और कोई भी अस्पताल नहीं पहुंचा। सिमली अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि यहां सिर्फ तबादला प्रक्रिया के तहत दो एमबीबीएस चिकित्सकों ने ही ज्वाइन किया है। विशेषज्ञ डॉक्टरों के नहीं पहुंचने से कर्णप्रयाग और सिमली के लोगों को आंखों, हड्डियों और महिला रोगों के उपचार के लिए अब भी गोपेश्वर, श्रीनगर और देहरादून के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

आदिबदरी का आयुष अस्पताल बना जिले का पहला उत्कर्ष केंद्र

आदिबदरी। उत्तराखंड सरकार की पहल पर आदिबदरी का आयुष आयुर्वेदिक चिकित्सालय जिले का पहला उत्कर्ष केंद्र बन गया है। इस केंद्र में अब पंचकर्म और प्राकृतिक चिकित्सा के साथ कई नई सुविधाएं भी मिलेंगी।

जिला आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डॉ. एस. कुमार त्रिपाठी ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रत्येक जनपद में एक आयुर्वेद उत्कर्ष केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसी के तहत इस चिकित्सालय को उन्नत किया गया है। पंचकर्म के लिए पुरुष चिकित्सक पहले से हैं। महिलाओं की पंचकर्म चिकित्सा के लिए शीघ्र ही एक महिला चिकित्सक की नियुक्ति की जाएगी। उत्कर्ष केंद्र के चिकित्साधिकारी डॉ. चंद्रमोहन ने जानकारी दी कि यहां पैथोलॉजी की सुविधा के तहत टाइफाइड, मलेरिया और शुगर की जांच, ईसीजी हो सकेगी। एक्यूप्रेशर और पंचकर्म के आधुनिक उपकरण भी चिकित्सालय में आ गए हैं। गठिया और चर्मरोग का भी यहां इलाज होगा। वहीं चिकित्सालय के उत्कर्ष केंद्र बनने पर आदिबदरी के प्रधान आरती बहुगुणा, क्षेत्र पंचायत सदस्य नवीन बहुगुणा और भलसों के प्रधान विजय बरमोला सहित व्यापारियों ने खुशी जताई।

किसानों को आलू उत्पादन का प्रशिक्षण दिया

गैरसैंण। भुवनेश्वरी महिला आश्रम और स्टेट बैंक फाउंडेशन ने आलू आधारित औद्योगिक विकास पर कार्यशाला आयोजित की। इसमें ब्लॉक के विभिन्न गांवों और नगर क्षेत्र के 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया। परियोजना प्रबंधक गिरीश डिमरी ने बताया कि स्टेट बैंक फाउंडेशन के सहयोग से ब्लॉक में आलू आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित हो रही है। यह इकाई स्थानीय जैविक आलू का उपयोग कर चिप्स, वेफर्स, फ्रेंच फ्राइज और आलू स्टिक्स उत्पाद बनाएगी। डिमरी ने किसानों से आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और पलायन रोकने के लिए सहयोग की अपील की। प्रगतिशील किसान कौशल रावत और उद्यान विभाग के आशीष कुमार ने किसानों को संबोधित किया।

सरकारी अस्पतालों में कराए जाएंगे सभी प्रसव : सीएम

ओगोपेश्वर। चमोली के नवनियुक्त सीएमओ डॉ. राजीव सिंह पाल ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि जिले में सभी प्रसव सरकारी अस्पतालों में कराए जाएं। साथ ही प्रसूता को अस्पताल से डिस्चार्ज करते समय नवजात का जन्म प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बरसात में दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, 108 एंबुलेंस सेवा का रिस्पांस टाइम सुधारने और बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत करना प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। डॉ. पाल ने बताया कि मलारी, ग्वालदम, थराली, देवाल, पोखरी और गैरसैंण जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों के साथ ही बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर उपचार मिल सके, इसके लिए 108 एंबुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली में सुधार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ज्योतिर्मठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू करने के लिए रेडियोलॉजिस्ट एवं पूर्व सीएमओ डॉ. गुमान सिंह राणा की सेवाएं लेने पर विचार किया जा रहा है।

युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। हरिद्वार : गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि युवाओं के चेहरों पर दिखाई देने वाला आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और संस्कारों का जीवंत प्रतीक है। यहां विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, राष्ट्रसेवा और भारतीय मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है, जहां 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 42 वर्ष से कम आयु की है। यही युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आज का युवा नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से रोजगार देने वाला ह्लजॉब क्रिएटरह्व बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसी योजनाओं ने युवाओं को नए अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार भी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा प्रोत्साहन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण विकास योजना, कौशल विकास योजना, एक जनपद-दो उत्पाद योजना, हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड, स्टेट मिलेट मिशन, एप्पल मिशन, सौर स्वरोजगार योजना, नई पर्यटन नीति और नई फिल्म नीति जैसी योजनाओं के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है। युवा संवाद कार्यक्रम के आयोजक/युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम भुल्लर ने मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, विधायक रानीपुर आदेश चौहान, कुलपति श्रीमती प्रतिभा लूथरा, जिलाध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा, राज्य मंत्री डॉ. जयपाल सिंह चौहान, शोभाराम प्रजापति, श्यामवीर सैनी, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर, नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. लालित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, एसपी ट्रैफिक निशा यादव, एसपी ट्रैफिक अभय प्रताप सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या में युवा शक्ति मौजूद रहे।

दून पुलिस का बड़ा एक्शन, पति और ननद गिरफ्तार

देहरादून। श्रीकोट (श्रीनगर गढ़वाल) निवासी सरकारी शिक्षिका सृष्टि कंडारी की संदिग्ध मौत के मामले में दून पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दहेज मृत्यु के मुकदमे में नामजद पति सौरभ खत्री और ननद सुरभि खत्री उर्फ चारू को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को हर्रावाला स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और जांच में सामने आने वाले प्रत्येक तथ्य के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, 29 जुलाई को सृष्टि कंडारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मृतका की मां सीमा कंडारी, निवासी श्रीकोट, श्रीनगर गढ़वाल ने कोतवाली डोईवाला में तहरीर देकर आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि पति, सास और ननद द्वारा सृष्टि को मानसिक रूप से परेशान किया जाता था, जिससे वह लंबे समय से तनाव में थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 80(2) के तहत दहेज मृत्यु का मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी डोईवाला वंदना वर्मा को सौंपी गई तथा उनके नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतका के परिजनों, रिश्तेदारों तथा अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए।

चकराता—कालसी में कांग्रेस की बीएलए बैठक

विकासनगर,विधानसभा चकराता क्षेत्र में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने सक्रियता तेज कर दी है। शनिवार को पछवादून जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चकराता एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कालसी द्वारा कांग्रेस कार्यालय कालसी में बीएलए (इङ्कङ्कइँ छी५ी' अञ्चील्ल३) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने बीएलए, कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) के प्रथम चरण में सामने आई त्रुटियों तथा द्वितीय चरण में दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी बीएलए से अपील की कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने के लिए पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि किसी भी पात्र नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित न हो।

जंगल में तस्करों के साथ एनकाउंटर, 15 राउंड चली गोलियां

रामनगर (नैनीताल)। उत्तराखण्ड के रामनगर वन प्रभाग से सटे कॉर्बेट क्षेत्र में शुक्रवार तड़के वन विभाग और खैर की लकड़ी की तस्करी करने पहुंचे हथियारबंद तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। करीब 15 राउंड फायरिंग के बाद तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

हालांकि तस्कर पकड़ में नहीं आए, लेकिन उनकी तीन मोटरसाइकिलें मौके से बरामद कर वन विभाग ने कब्जे में ले ली हैं।

गश्त के दौरान सामने आए संदिग्ध

जानकारी के अनुसार, घटना रामनगर वन प्रभाग की गुलजारपुर बीट के एन–2 क्षेत्र की है। शुक्रवार तड़के करीब ढाई से तीन बजे के बीच वन विभाग की टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान जंगल के भीतर संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर वन कर्मियों ने क्षेत्र की घेराबंदी शुरू की। बताया जा रहा है कि तस्कर खैर के पेड़ों की अवैध कटाई करने पहुंचे थे। खुद को चारों ओर से घिरता देख उन्होंने वन कर्मियों पर फायरिंग शुरू कर दी।

वन विभाग ने किया जवाबी फायर

तस्करों की गोलीबारी के जवाब में वन विभाग की टीम ने भी करीब 15 राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई से तस्करों में अफरा–तफरी मच गई और वे अंधेरे का लाभ उठाकर जंगल के भीतर फरार हो गए।

घटना के बाद पूरी रात जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन तस्करों का कोई सुराग नहीं मिल सका।

तीन मोटरसाइकिलें बरामद

तलाशी अभियान के दौरान वन विभाग को घटनास्थल से तस्करों की तीन मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन वाहनों का उपयोग खैर की लकड़ी की तस्करी के लिए किया जा रहा था। तीनों मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर जुड़का वन परिसर में सीज कर दिया गया है।

अज्ञात तस्करों पर मुकदमा दर्ज

रामनगर वन प्रभाग के रेंजर शेखर तिवारी ने बताया कि अज्ञात तस्करों के खिलाफ वन अपराध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

वहीं प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) प्रकाश चंद्र आर्या ने बताया कि तस्करों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग–अलग टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खैर की अवैध कटाई और लकड़ी की तस्करी में शामिल गिरोहों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून को मिलेगी नई पहचान, अंतिम चरण में राष्ट्रपति उद्यान का निर्माण

देहरादून, राजधानी देहरादून के राजपुर रोड स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रपति आशियाना परिसर में विकसित किया जा रहा अत्याधुनिक राष्ट्रपति उद्यान अब अपने अंतिम निर्माण चरण में पहुंच गया है। लगभग 132 एकड़ क्षेत्रफल में तैयार हो रहा यह भव्य उद्यान भविष्य में देहरादून की नई पहचान बनने के साथ–साथ प्रदेश और देशभर के पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा। शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने निर्माणाधीन उद्यान का स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्था को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना की प्रगति की समीक्षा अब प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह परियोजना केवल एक पार्क नहीं, बल्कि देहरादून के पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य संवर्धन और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति उद्यान विकसित होने के बाद शहर को एक नई पहचान मिलेगी और स्थानीय लोगों के साथ–साथ पर्यटकों के लिए भी यह प्रमुख आकर्षण बनेगा।

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत विद्युत विभाग द्वारा लगभग 80 प्रतिशत तथा उद्यान विभाग द्वारा करीब 60 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। पार्क में आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रकृति का संतुलित समावेश किया जा रहा है। यहां आकर्षक थीम पार्क, कैफेटेरिया, फूड कोर्ट, 2,700 मीटर लंबा जॉगिंग, साइकिलिंग एवं वॉकिंग ट्रैक तथा प्राकृतिक वातावरण का अनुभव कराने के लिए 840 मीटर लंबा बोर्डवॉक तैयार किया जा रहा है।

इसके अलावा सांस्कृतिक आयोजनों के लिए 800 दर्शकों की क्षमता वाला ओपन एयर थिएटर, योग एवं स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए योगा पवेलियन, मनमोहक व्यूइंग एवं वॉटरफॉल डेक, आधुनिक स्पोर्ट्स जोन तथा विशाल लीची गार्डन भी विकसित किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार स्पोर्ट्स जोन का लगभग 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्क में तीन भव्य प्रवेश द्वार और अत्याधुनिक पार्किंग व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। जिलाधिकारी ने इन व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। सिविल निर्माण कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) की देखरेख में केबीजी इंजीनियर्स द्वारा कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पर्यटन विकास अधिकारी जसपाल चौहान, केबीजी इंजीनियर्स के प्रोजेक्ट मैनेजर फराज, सीपीडब्ल्यूडी, विद्युत, उद्यान विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स ऋषिकेश में 50 लाख की चोरी का खुलासा

ऋषिकेश/देहरादून, एम्स ऋषिकेश के आवासीय परिसर में हुई करीब 50 लाख रुपये की चोरी का दून पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए आंध्र प्रदेश के एक शातिर अंतरराज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने–चांदी के आभूषण, तीन फर्जी आधार कार्ड और चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपी ने उत्तराखंड के अलावा गुजरात में भी चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को एम्स ऋषिकेश के आवासीय परिसर निवासी रविन्द्र तिवारी ने घर का ताला तोड़कर सोने–चांदी के आभूषण एवं 60 हजार रुपये नकद चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक ऋषिकेश के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और लगातार निगरानी की।

31 जुलाई की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने काली माता मंदिर, सात मोड़, देहरादून रोड, ऋषिकेश के पास से मंडलपु शिवा अंजनेयुलू (43 वर्ष), निवासी गुंटूर, आंध्र प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया।

छेड़छाड़ करने वाला युवक गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में एक युवती के साथ रास्ते में पीछा कर अभद्र व्यवहार और अश्लील टिप्पणियां करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर रुद्रप्रयाग कोतवाली पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

स्कूटी से कंप्यूटर क्लास जा रही थी युवती

पुलिस के अनुसार घटना 31 जुलाई 2026 की है। पीड़िता अपनी स्कूटी से कंप्यूटर क्लास के लिए जा रही थी। इसी दौरान स्कूटी पर सवार एक युवक उसका पीछा करने लगा। आरोप है कि युवक ने रास्ते में उसका वाहन रुकवाकर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और अश्लील टिप्पणियां कीं, जिससे युवती भयभीत हो गई।

परिजनों को दी सूचना, पुलिस ने दिखाई तत्परता

घटना के तुरंत बाद युवती ने पूरे मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी।

बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें, जानवरों का बढ़ा खतरा

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में लगाई गई स्ट्रीट लाइट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इन दिनों जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में जंगली जानवरों की धमक बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में जंगल से सटे मार्गों पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट ने राहगीरों की चिंता बढ़ा दी है। मजबूरी में अंधेरे में आवागमन कर रहे लोगों को हर समय मानव-वन्य जीवन संघर्ष का खतरा बना रहता है। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के दावे करने वाला नगर निगम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

वर्ष 2018 में नगर निगम गठन के बाद करीब चालीस लाख रूपये की लागत से वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी। जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में भी स्ट्रीट लाइट लगने से लोगों को काफी राहत मिली। लेकिन, वर्तमान में कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई है। कई स्थानों पर तो स्ट्रीट लाइट की रोशनी इतनी कम हो गई है कि उसका लगना व न लगना बराबर हो रहा है। सबसे अधिक परेशानी सनेह, कुंभीचौड़, शिवपुर, झंडीचौड़ सहित भाबर के अन्य स्थानों पर बनी हुई है। स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से लोगों को जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। अंधेरे के कारण लोगों ने जंगल से सटे मार्गों पर आवागमन करना भी बंद कर दिया है। कुंभीचौड़ क्षेत्र के लोगों ने कुछ दिन पूर्व नगर निगम से इसकी शिकायत भी की थी। लोगों का कहना था कि इन दिनों जंगल से सटे मार्गों पर हाथी की धमक बढ़ रही है। ऐसे में स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाया जाना चाहिए। बावजूद नगर निगम ने समस्या को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। ऐसे में लोग रात के समय शादी समारोह में जाने से भी घबरा रहे हैं।

अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

कुंभीचौड़, झंडीचौड़ सहित अन्य क्षेत्रों के लोग जंगल से सटे मार्गों पर अतिरिक्त स्ट्रीट लाइन लगवाने की भी मांग उठा रहे हैं। लेकिन, नगर निगम का ध्यान केवल बाजार क्षेत्र के वार्डों में ही बना हुआ है। जबकि, कुंभीचौड़, शिवपुर सहित अन्य स्थानों पर हाथी को रोकने के लिए बनाई गई सुरक्षा दीवार भी क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। ऐसे में लगातार हाथी की धमक आबादी में बढ़ रही है। सनेह क्षेत्र में तो कुछ दिन पूर्व दिन दोपहर ही गुलदार ने एक महिला पर हमला कर दिया था। यही नहीं बुद्धा पार्क के आसपास तक पहुंच रहे गुलदार ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

अभिभावक सम्मेलन में मेधावी बच्चों व स्वजनों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उमराव नगर स्थित रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में आयोजित अभिभावक सम्मेलन के दौरान मेधावी बच्चों के स्वजनों को सम्मानित किया गया।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य कुलदीप सिंह, प्रबंधक अमित अग्रवाल, अध्यक्ष मोहनलाल ममगाई और कार्यक्रम की अध्यक्ष सरोजनी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सम्मेलन में विद्यालय के शैक्षिक उपलब्धियां, अनुशासन व संस्कारपूरक शिक्षा पर विद्यालय के आचार्य देवेंद्र ने जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा की वरीयता सूची में स्थान पाने वाले सौरभ भारद्वाज की माता सरोजनी देवी को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सौरभ को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इसी प्रकार खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए छात्रा समीक्षा रावत और उनकी माता ममता रावत को सम्मानित किया गया। सम्मेलन का संचालन विद्यालय के आचार्य आकाश ने किया।

शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक ड्यूटी से प्रभावित हो रही पढ़ाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विद्यालयों के शिक्षकों की ड्यूटी मतदाता पुनरीक्षण, मतगणना, राशन कार्ड सत्यापन एवं अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। इस संबंध में झंडीचौड़ क्षेत्र के अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने की मांग की। राजकीय इंटर कॉलेज झंडीचौड़ के अभिभावक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष आनंद घिल्डियाल ने बताया कि विद्यालय में पूर्वी, पश्चिमी एवं उत्तरी झंडीचौड़ क्षेत्र के लगभग 450 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। पहले से ही विद्यालय में अर्थशास्त्र, हिंदी और इतिहास विषय के प्रवक्ताओं के पद रिक्त हैं। ऐसे में कई शिक्षकों की ड्यूटी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), जनगणना एवं राशन कार्ड सत्यापन जैसे कार्यों में लगाए जाने से नियमित शिक्षण कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक ही विद्यालय के कई शिक्षकों को एक साथ गैर-शैक्षणिक कार्यों में तैनात किए जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है। अभिभावकों ने मांग की कि ऐसे कार्यों के लिए केवल शिक्षकों पर निर्भर रहने के बजाय विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई जाए, ताकि विद्यालयों में पठन-पाठन की व्यवस्था सुचारु बनी रहे। ज्ञापन सौंपने के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार, पार्षद सुखपाल शाह, सीता देवी एवं कृष्ण चंद्र खंतवाल सहित क्षेत्र के अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बैंक ने स्थापना दिवस पर बांटे रेनकोट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नैनीताल बैंक की कोटद्वार शाखा ने बैंक का 105वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान ग्राहक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें सामाजिक सरोकार निभाते हुए रेहड़ी व फड़ वालों को रेनकोट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक सुभाष नेगी ने कहा कि वर्ष 1922 में गोविंद बल्लभ पंत सहित अन्य प्रबुद्ध नागरिकों ने समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नैनीताल बैंक की स्थापना की थी। कहा कि वर्तमान में बैंक उत्तराखंड सहित पांच राज्यों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने बैंक की विभिन्न जमा योजनाओं, ऋण सुविधाओं और निवेश संबंधी उत्पादों की भी जानकारी दी। सहायक प्रबंधक अंकित रावत ने ग्राहकों को मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई सहित डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने ग्राहकों से ओटीपी, सीवीवी, पिन और बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने की अपील की। अनुराग तड़ियाल ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से उनका लाभ उठाने का आग्रह किया। वहीं, शार्दूल कंडारी ने बैंक की गृह एवं वाहन ऋण योजनाओं की जानकारी दी।

स्वच्छता में हाईटेक हो रही नगर पालिका, 50 सीसीटीवी कैमरों से रखी जा रही निगरानी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत के निर्देशन में नगर पालिका रुद्रप्रयाग स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर को हाईटेक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में नगर क्षेत्र में 50 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से स्वच्छता व्यवस्था की प्रभावी निगरानी की जा रही है। नगर में निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए जल्द ही 20 अतिरिक्त कैमरे भी लगाए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर कूड़ा फेंकने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। अब तक दो लोगों की पहचान कर उनके चालान जारी किए जा चुके हैं, जबकि कैमरों की मदद से 10 से 15 अन्य लोगों की भी पहचान की गई है, जिनके विरुद्ध जल्द ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सातों वार्डों में 22 महिला कर्मियों के माध्यम से घर-घर जाकर कूड़ा संग्रहण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 42 सफाई कर्मी प्रतिदिन नगर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई में जुटे रहते हैं। नगर क्षेत्र से प्रतिदिन लगभग 5 टन कूड़ा एकत्रित किया जाता है, जिसका शत-प्रतिशत वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाता है, इससे न केवल नगर की स्वच्छता बनी हुई है, बल्कि कूड़े के प्रबंधन से नगर पालिका को राजस्व की प्राप्ति भी हो रही है। नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने बताया कि वर्तमान में नगर क्षेत्र में 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और शीघ्र ही 20 अतिरिक्त कैमरे स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का लक्ष्य स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक रुद्रप्रयाग का निर्माण करना है तथा नगर क्षेत्र में एकत्रित होने वाले कूड़े का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है।

सैंजी गांव में सीडीओ ने लिया मक्के की फसल का जायजा

नैनबाग (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के सैंजी गांव को मक्के की खेती के लिए कॉर्न विलेज के रूप में तैयार किया जा रहा है। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने सैंजी गांव का भ्रमण कर खेतों में तैयार स्वीट कॉर्न की फसल का निरीक्षण किया। किसानों से संवाद कर खेती के अनुभव और उत्पादन की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य कृषि अधिकारी को किसानों की आय बढ़ाने, खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए खेतों में घेरबाड़ कराने और किसान समूह को मक्का थ्रेशर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि सैंजी और आसपास के आठ अन्य गांवों में खरीफ सीजन के लिए किसानों को स्वीट कॉर्न, संकर मक्का और राजमा–बींस के बीज उपलब्ध कराए गए हैं। किसानों की मांग के अनुसार स्वीट कॉर्न की उन्नत प्रजाति के बीज और आवश्यक कृषि दवाइयां भी दी गई हैं।

बंजर खेतों के संरक्षण को बागवानी अपनाने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरु गोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्धन समिति की ओर से ग्राम ढुंगाधार में वृहद पौधारोपण अभियान एवं पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ते बंजर खेतों पर चिंता व्यक्त करते हुए व्यापक स्तर पर पौधारोपण और बागवानी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बंजर खेतों में देवदार, बांज, सिल्वर ओक, आंवला, नीम, बेल, जामुन, पीपल, हरड़, बहेड़ा, तेजपत्ता, आम, अमरूद, नींबू और लीची सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों के रोपण से हुई। इसके बाद समिति के अध्यक्ष आर.पी. पंत की अध्यक्षता में वन एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। समिति के सदस्य अशोक नेगी ने संस्था की पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों की जानकारी देते हुए वनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों से परंपरागत खेती को हो रहे नुकसान के कारण ग्रामीण खेती छोड़ रहे हैं, जिससे खेत लगातार बंजर होते जा रहे हैं। कहा कि इन बंजर भूमि को फिर से उपयोगी बनाने के लिए बागवानी को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उमानंद बड़ोला ने लैंटाना, कालाबासा और गाजर घास जैसी आक्रामक प्रजातियों का जी-राम-जी योजना के तहत उन्मूलन कराने की मांग उठाई। वहीं प्रमोद कुमार डोबरियाल ने कहा कि पौधारोपण से अधिक महत्वपूर्ण लगाए गए पौधों का संरक्षण और नियमित देखभाल है। नवीन बड़ोला ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए मिश्रित वनों के विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर विनय रावत, प्रकाश हेमदान, सुनील नेगी, बलबीर सिंह बिष्ट, सच्चिदानंद पोखरियाल, मनमोहन बड़ोला, मनोज कुमार बड़ोला, हरि प्रसाद बड़ोला, दयाल बड़ोला और भारत भूषण सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण करते सदस्य

एक सितंबर से शुरू होगा खेल महाकुंभ, तैयारियां शुरु

गोपेश्वर। जिले में मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी (खेल महाकुंभ) का आयोजन एक सितंबर से शुरू होगा। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रतियोगिताओं की तैयारियों की समीक्षा की गई।

अंडर–14 और अंडर–19 बालक–बालिकाओं की प्रतियोगिताएं न्याय पंचायत स्तर पर 1 से 10 सितंबर, विधानसभा स्तर पर 11 से 20 सितंबर और संसदीय क्षेत्र स्तर पर 21 से 30 सितंबर तक होंगी। राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी का आयोजन 10 सितंबर से 30 अक्तूबर तक होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री प्रिया उम्र 19 वर्ष मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने में नहीं है तथा 17.07.2026 को हमें बिना बताये किसी लड़के के साथ घर से चली गई है तथा हमारी इच्छा के विरूद्ध किसी दूसरे व्यक्ति के साथ जीवन यापन कर रही है। मैं अपनी पुत्री प्रिया को गलत कृत्यों के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति व घर से बेदखल करता हूं तथा प्रिया के द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए मैं तथा मेरे परिवार जिम्मेदार नहीं रहेगा।

पवन सिंह पुत्र मनवर सिंह निवासी ग्राम ग्राम सैंजी, सैंज्जोगियाना, तहसील पौड़ी, पट्टी बाली कन्डारस्यूं, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

ट्रेंचिंग ग्राउंड की भूमि के लिए किया स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत कंचनपुरी (हल्दूखाता) में ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए चयनित भूमि का प्रशासन की टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया। उच्च न्यायालय के निर्देश पर प्रशासन की ओर से गठित टीम चयनित भूमि का निरीक्षण करने पहुंची थी।

बताते चलें कि कंचनपुरी (हल्दूखाता) में ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए वन भूमि का चयन किया गया है। नगर निगम की ओर से ट्रेंचिंग ग्राउंड निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए। इससे पूर्व, निर्माण कार्य शुरू होता, क्षेत्रीय जन ने ट्रेंचिंग ग्राउंड निर्माण का विरोध शुरू कर दिया। एक ओर जहां क्षेत्रीय जन प्रस्तावित स्थल पर धरना-प्रदर्शन कर रहा है, वहीं क्षेत्रीय जन की ओर से इस संबंध में उच्च न्यायालय में वाद दायर किया गया है। बीती 22 जुलाई को दायर याचिका की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने जिला प्रशासन को टीम गठित कर चयनित भूमि का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। क्षेत्रीय जन की ओर दायर वाद में यह भी कहा गया है कि प्रस्तावित स्थल रत्नाल नदी से सटा हुआ है। न्यायालय ने जिला प्रशासन को यह भी निर्देश दिए कि प्रस्तावित स्थल की रत्नाल नदी से दूरी भी स्पष्ट करें। न्यायालय के आदेश पर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने छः सदस्यीय टीम का गठन किया। टीम में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, उप प्रभागीय वनाधिकारी, वन क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार के साथ ही मोटाढाक व हल्दूखाता के राजस्व उपनिरीक्षकों को शामिल किया गया है।

नगर आयुक्त पीएल शाह, उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने चयनित स्थल का निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी ने बताया कि टीम की ओर से जल्द निरीक्षण रिपोर्ट सौंप दी जाएगी, जिसे जिलाधिकारी को भेज दिया जाएगा।

पंचगाई व बड़ासू पट्टी में आवाजाही को दुरुस्त करने की मांग

पुरोला। मोरी विकासखंड के सुदूरवर्ती पंचगाई और बड़ासू क्षेत्र में आपदा से क्षतिग्रस्त मोटर मार्गों, पैदल संपर्क मार्गों और पुल–पुलियों के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर जिला पंचायत सदस्य रविना रावत ने शनिवार को जिलाधिकारी को पत्र भेजा। रावत ने कहा कि कोटगांव–जखोल वार्ड के अंतर्गत आने वाले इन सीमांत और दुर्गम गांवों में लगातार हुई भारी बारिश और भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर सड़कें, पैदल मार्ग और पुल–पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कई संपर्क मार्ग टूटने से ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है।

रेलवे ट्रैक पर गिरा पेड़, ढाई घंटे तक ठप रहा रेल यातायात

ऋषिकेश/रायवाला। हरिद्वार के काली मंदिर के पास रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से हरिद्वार–देहरादून और ऋषिकेश रेल मार्ग पर करीब ढाई घंटे तक रेल यातायात प्रभावित रहा। हरिद्वार, ऋषिकेश और देहरादून के बीच ट्रेनों का संचालन करीब ढाई घंटे तक ठप रहा। शाम करीब 4 बजे पेड़ को हटाकर यातायात सुचारु किया गया।

रेल यातायात प्रभावित होने से रायवाला रेलवे जंक्शन पर यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। यात्रियों को घटना की जानकारी मिली इसके बाद अधिकांश यात्री अन्य संसाधनों से अपने–अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

जमरानी बांध डूब क्षेत्र के 12 गांवों की बदलेगी तस्वीर

हल्द्वानी। जमरानी बांध परियोजना के कारण प्रभावित होने वाले डूब क्षेत्र और उसके आसपास के गांवों में अब बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर होगी। परियोजना इकाई ने ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए 12 गांवों में बड़े स्तर पर विकास कार्य शुरू करने की योजना बनाई है।जमरानी बांध परियोजना इकाई के प्रबंधक हिमांशु पंत ने बताया कि गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण काम किए जा रहे हैं। इसके तहत 12 गांवों में कुल 500 स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। ये सभी 20 वाट की एलईडी लाइटें होंगी, जिससे रात के समय आवागमन सुरक्षित होगा और अंधेरे की समस्या खत्म होगी।

भारतीय रेल

"सार्वजनिक अधिसूचना"

रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उत्तर रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 25 के.वी., 50 हर्ट्ज, ए.सी. शिरोपरी कर्षण तारों को खंड के सामने निर्दिष्ट तिथि पर या उसके बाद विद्युतीकृत किया जाएगा। उस तारीख और उसी तारीख से शिरोपरी कर्षण तारों को हर समय विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त शिरोपरी कर्षण तारों के पास न तो पहुंचेगा और न ही काम करेगा।

खंड	RKM/TKM (दिनांक)
उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के रायसी स्टेशन की अप लूप लाइन स्थान 1530/5 (च: 1530/75.60) से स्थान 1531/9 (च: 1531/134.30) तक जिसमें संबंधित टर्न आउट और X–ओवर शामिल हैं और मौजूदा लाइनों में संशोधन	1.059/1.428 (20.08.2026)

No. 17-Elect/C/TRD/MB/143 Dated 30.07.2026

25 के.वी. ए.सी. कर्षण का परिचय

"सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"

जनता की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि **25 kV AC इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन ओवर शुरू करने के संबंध में "उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के रायसी स्टेशन की अप लूप लाइन स्थान 1530/5 (च: 1530/75.60) से स्थान 1531/9 (च: 1531/134.30) तक जिसमें संबंधित टर्न आउट और X–ओवर शामिल हैं और मौजूदा लाइनों में संशोधन"** हाइट गेज सभी लेवल क्रॉसिंग पर लगाये हैं, जो सड़क की ऊंचाई से **4.78 मीटर** की अधिकतम ऊंचाई पर स्पष्ट ऊंचाई के साथ है, अत्यधिक ऊंचाई के भार को संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर से खतरनाक निकटता को रोकने के उद्देश्य से ।

सार्वजनिक रूप से वाहनों को लोड करने के उद्देश्य के लिए ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का निरीक्षण करने के लिए सूचित किया गया है और यह देखने के लिए कि सड़क वाहनों में किए गए भार किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन नहीं करते हैं ।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं: –

i) ऊंचाई गेज के लिए खतरा और परिणामस्वरूप सड़क के साथ–साथ रेलवे लाइन में बाधा।

ii) सामग्री या उपकरण या वाहन के लिए खतरा।

iii) सुचालक के साथ संपर्क या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा और जीवन का जोखिम।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण,
उ.रे., मुरादाबाद

2658/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दर्पण वेलफेयर सोसाइटी ने चलाया स्वच्छता व हरियाली अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दर्पण वेलफेयर सोसाइटी की ओर से शहर में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पौधारोपण के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया तथा लोगों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई।

अभियान के पहले चरण में निंबूचौड़ प्राथमिक विद्यालय परिसर में करीब 20 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर सोसाइटी के सदस्यों ने विद्यालय परिसर को हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने का संकल्प लिया। साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों को पौधों की नियमित देखभाल तथा संरक्षण के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि विद्यालयों में लगाया गया प्रत्येक पौधा बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करता है। दूसरे चरण में देवी रोड स्थित एसबीआई एटीएम से तीलू रौतेली चौक तक लगभग 30 सजावटी गमले स्थापित किए गए। इनमें विभिन्न प्रजातियों के हरित एवं सजावटी पौधे लगाए गए, जिससे मार्ग की सुंदरता बढ़ने के साथ स्वच्छ और हरित वातावरण का निर्माण हो सके। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में सराहनीय कदम बताया। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली के बीच केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि पौधों की देखभाल और सुरक्षा भी प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। सोसाइटी ने बताया कि भविष्य में भी शहर के विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और प्रमुख मार्गों पर वृक्षारोपण एवं सौंदर्यीकरण अभियान निरंतर जारी रहेगा। संस्था का उद्देश्य जनसहभागिता के माध्यम से कोटद्वार को स्वच्छ, सुंदर, हरित और पर्यावरण-अनुकूल शहर के रूप में विकसित करना है।

डीजल के अभाव में ठप पड़ा यमुना का चैनलाइजेशन कार्य

बड़कोट। यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच स्यानाचट्टी के आपदा प्रभावित लोगों ने सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की ओर से नदी के चैनलाइजेशन का कार्य डीजल के अभाव में पिछले दो–तीन दिनों से ठप पड़ा है। इससे यमुना के बहाव को नियंत्रित करने और आबादी को सुरक्षित रखने के प्रयास बाधित हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी में लगातार मलबा जमा होने से जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई होटलों की पहली मंजिल तक पानी पहुंच चुका है जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। आपदा प्रभावितों ने बताया कि कुछ समय पहले तक मौके पर तीन पोकलेन मशीनें चैनलाइजेशन कार्य में लगी थीं लेकिन कुछ दिन पहले एक मशीन को बनास क्षेत्र भेज दिया गया।

गुलदार की धमक, पालतू कुत्ता घायल, ग्रामीणों में दहशत

जयन्त प्रतिनिधि: कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के कोटड़ीढांग में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार रात गुलदार ने एक बार फिर रिहायशी इलाके में घुसकर एक घर के आंगन में बंधे पालतू कुत्ते पर हमला कर उसे घायल कर दिया। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

गौरतलब है कि इससे पहले 31 मई को इसी क्षेत्र में गुलदार ने रीना देवी पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। एक

ही परिवार के घर के आसपास बार-बार गुलदार की मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने प्रभारी डीएफओ तरुण एस से फोन पर वार्ता कर क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। प्रभारी डीएफओ तरूण एस ने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। हालांकि, फिलहाल विभाग के पास गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा उपलब्ध नहीं है। वहीं, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने वन मंत्री सुबोध उनियाल से भी बातचीत कर कोटड़ीढांग, कालाबड़, शिवपुर और आसपास के क्षेत्रों में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों से मानव जीवन पर मंडरा रहे खतरे तथा किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान से अवगत कराया। इस पर वन मंत्री ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

उत्तर रेलवे

(शुद्धि पत्र)

सन्दर्भ:– 28/Tele/Clock and PA system / MB division/ 2026-27 दि0 24.07.2026, 35RT-Tele-CCTV-Kumbh25-26 दि0 28.07.2026

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार अभि०/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	Existing Last date and time for submission of tender and opening of tender	New Last date and time for submission of tender and opening of tender
1	2	3	4
1	**28/Tele/Clock and PA system/ MB division/2026-27** परोविजन ऑफ मिनिमम एसेंशियल एमेनिटीज फॉर रेमैनिंग स्टेशनस (पी ए सिस्टम अट 78 स्टेशनस एंड डिजिटल क्लॉक अट 123 स्टेशनस)	21.08.2026 15:00 hrs.	24/08/2026 15:00 hrs.
2	**35RT-Tele-CCTV-Kumbh25-26** परोविजन ऑफ सीसी टीवी अट आल रेलवे स्टेशनस बिटवीन अल आर जे–अचडब्लू एंड अचडब्लू–आरके एसअच फॉर कुम्भ मेला 2027	21.08.2026 15:00 hrs.	24/08/2026 15:00 hrs.
3	**47RT-Telel-PAS-Kumbh-2027** परोविजन ऑफ पब्लिक एड्रेस सिस्टम अट अचडब्लू एंड अदजोइनिन्ग लोकेशन	21.08.2026 15:00 hrs.	24/08/2026 15:00 hrs.

नोट:– निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **निविदा सूचना: 28/Tele/Clock and PA system/MB division/2026-27, 35RT-Tele-CCTV-Kumbh25-26, दि 31.07.2026** 2664/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुद्दे को दलगत रंग

मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इसे समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

मुद्दा शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, लेकिन सरकार ने अपना पक्ष रखने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को सौंपी। उधर अपनी प्रेस कांफ्रेंस में जेपी नड्डा ने कॉकरोच आंदोलन की मांगों पर चर्चा करने के बजाय संसदीय गतिरोध दूर करने के लिए विपक्ष के सामने प्रस्ताव रखा। कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में 'वर्तमान एनडीए एवं पूर्व यूपीए सरकारों के दौरान हुईइ पेपर लीक की घटनाओं पर सरकार संसद में पूरी चर्चा के लिए तैयार है। स्पष्टतः इस मुद्दे को उन्होंने दलगत रंग दिया। मतलब सरकार चाहती है कि सड़क पर उठ रहे सवालों को दरकिनार कर सत्ता पक्ष और विपक्ष पेपर लीक एवं परीक्षा व्यवस्था ध्वस्त के प्रश्नों पर आपसी तू तू–मैं मैं का साया डाल दें !

और अगर विपक्ष ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो संसदीय गतिरोध की जिम्मेदारी उसके माथे पर डाली जाए। बहरहाल, विपक्षी दल इतना तो शायद समझते ही हैं कि युवा मन की उथल–पुथल को नजरअंदाज करना उनके लिए अपनी प्रासंगिकता को दांव पर लगाना होगा। तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया है कि कॉकरोच आंदोलन की इन तीन मांगों को मानना गतिरोध तोड़ने की पूर्व शर्त हैः शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, दिल्ली में 20 जुलाई को 'शांतिपूर्णइ प्रदर्शनकारियों पर हुए 'जुल्मइ की जवाबदेही तय की जाए, और प्रधानमंत्री छात्रों से माफी मांगें।

देश में युवा असंतोष के इजहार से जिस तरह की सूरत बन रही है, सरकार के लिए इन मांगों को मान लेना बुद्धिमानी की बात होगी। 20 जुलाई को राजधानी में लाठी चार्ज, आंसू गैस और कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल की खबरों ने युवा आक्रोश को और भड़काया है। दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की कुछ टिप्पणियों ने मरहम लगाने के बजाय विपरीत प्रतिक्रिया पैदा की है। ऐसे में मुख्य मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इस स्थिति को समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। सड़क पर के गतिरोध का समाधान फिलहाल उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

ट्रंप का इजराइल और हमास के बीच समझौते का ऐलान

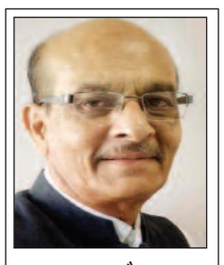

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा किया है। इस दावे में उन्होंने कहा है, इजराइल और हमास के बीच में जल्द ही समझौता होने जा रहा है। हमास और उसके दूसरे सभी हथियारबंद संगठन अपने हथियार छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। इजराइल भी गाजा से हटाने के लिए तैयार हो गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा, कि गाजा का कंट्रोल अब फिलिस्तीन सरकार के हाथ में होगा। दोनों लोग मिलकर बोर्ड ऑफ पीस के साथ मिलकर काम करेंगे। इस समझौते के बाद इजराइल और गाजा के बीच में स्थाई शांति स्थापित होगी। एक-दूसरे के ऊपर कोई हमले नहीं होंगे। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि यह समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे ही हमास अपने हथियार छोड़ेगा इजराइल की सेना गाजा से वापस होना शुरू हो जाएगी। नई व्यवस्था फिलिस्तीन पुलिस गाजा के हाथ में होगी। टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार हमास के हथियार छोड़ने के 14 दिन के भीतर यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस समझौते की टाइमलाइन तय की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि 20 सूत्रीय गाजा प्लान का यह सबसे अहम हिस्सा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो बोलते हैं उसमें कितना सच होता है और कितना झूठ होता है यह उनके अलावा कोई नहीं जानता है। कुछ यही स्थिति इजराइल की है। जब-जब इजराइल ने इस तरह के समझौते किए, जैसे ही सामने वाला पक्ष समझौते के अनुसार प्रक्रिया शुरू करता है उसके बाद उसके ऊपर हमले शुरू हो जाते हैं। दुश्मन को अंधेरे में रखकर हमले करने की यह रणनीति इजराइल और अमेरिका सबसे ज्यादा उपयोग में लाते हैं। यह पिछले कई वर्षों की कार्रवाई से साबित हो चुका है। ईरान और अमेरिका के बीच में जो समझौता हुआ था, उसमें इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने समय-समय पर पलीता लगाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। पीछे से अमेरिका भी इस रणनीति का समर्थन कर रहा था। पहले भी इजराइल और फिलिस्तीनियों तथा हमास के बीच कई समझौते हो चुके हैं। हर समझौते के बाद हमला करना इजराइल की रणनीति का हिस्सा था। इजराइल ने जिस तरह से गाजा में नरसंहार किया है, महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों को मौत के घाट में उतारा है। वहां पर लोग भूखे मर गए। इजराइल ने वहां रसद नहीं जाने दी। इन सब बातों को देखते हुए ट्रंप ने जो दावा किया है वह कितना सही है, कहना मुश्किल है। जिस तरह से ईरान और अमेरिका के बीच में युद्ध हुआ, उसमें खाडी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को जो नुकसान पहुंचा है, इजराइल को भी भारी नुकसान हुआ है, इससे साफ है कि ईरान ने अमेरिका और इजराइल को दिन में तारे दिखा दिए हैं।

ऐसी स्थिति में अमेरिका और इजराइल को अब नई रणनीति अपनाना पड़ रही है। अमेरिका और इजराइल अब हमास से भी बात कर रहे हैं। फिलिस्तीनियों से भी बात कर रहे हैं। इस लड़ाई में अमेरिका और इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में उन्हें कई वर्ष लगेंगे। वर्तमान स्थिति में ईरान अमेरिका इजराइल फिलिस्तीन हमास खाडी के सभी देश लगातार नुकसान से अब घबरा चुके हैं। लड़ने के लिए किसी के पास शक्ति नहीं बची है, जो कुछ शक्ति है वह वर्तमान में ईरान के पास है। ईरान को रूस और चीन का सहयोग मिला है। हार्मोज ईरान के लिए वरदान साबित हुआ है। पिछले पांच दशक से ईरान को सबने मिलकर प्रतिबंध की आड़ में कमजोर करने का हर संभव प्रयास कर लिया। अब समय बदल गया है। ईरान अब मुख्य भूमिका में है। रूस और चीन से जो समर्थन उसको मिल रहा है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि वह शांति की ओर आगे बढ़े लेकिन अभी भी वह बदमाशी करेंगे तो इसका दुष्परिणाम इस बार उन्हें भारी पड़ने वाला है। ईरान पूरी तरह से सजग है। ट्रंप ने जिस तरह से टैरिफ का आतंक सारी दुनिया के देशों में फैलाया था, उससे अमेरिका की विश्वसनीयता और डोनाल्ड ट्रंप के रोजाना नए-नए झूठ बोलने से डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर सहज रूप से विश्वास नहीं किया जा सकता है। आशा है डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जो समझौता करने जा रहे हैं, उसे ईमानदारी के साथ लागू करें। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी। अमेरिका और इजराइल में भी शांति बनी रहेगी।

बढ़ते असंतोष नफरत के बीच सुलगता नेपाल?

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल नेपाल के दक्षिणी हिस्से (मधेस और कोशी प्रांत) में कांवड़ बोलबम यात्रा और मुहर्रम के लाउडस्पीकर विवाद को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हैं. तनाव को देखते हुए सुनसरी, सिरहा, सलार्ही और जनकपुर सहित 6 से अधिक शहरों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और स्थिति को काबू में करने के लिए नेपाली सेना को जमीन पर उतार दिया गया है.इस ताजा हिंसा के मामले चिंता बढ़ाने वाले है.नेपाल के सुनसरी जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा अब कई जिलों तक फैल चुकी है. तीन लोगों की मौत, कई जिलों में कर्फ्यू और सरकार की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच जानिए आखिर नेपाल में क्या हो रहा है? हिंसा की शुरूआत और कारण लाउडस्पीकर और झंडे का विवादः हिंसा की शुरूआत 26 जुलाई की रात सुनसरी जिले के देवानगंज (कप्तानगंज क्षेत्र) से हुई. वहां एक पक्ष की ओर से बोलबम यात्रा की तैयारी चल रही थी और दूसरे पक्ष का भी धार्मिक कार्यक्रम था.डीजे पर तेज संगीत बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों समुदायों के बीच कहासुनी हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया.हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस को गोली चलानी पड़ी और अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है. हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है. सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए.पथराव और आगजनीः उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया. हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतेंः पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है.कर्फ्यू और सेना की तैनातीः सुनसरी और सिरहा के गोलबाजार, लहान, इनरवा और जनकपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में सेना फ्लैग मार्च कर रही है और हेलिकॉप्टर से भी निगरानी रखी जा रही है.नेपाल सरकार की अपीलः नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने देश के नाम संदेश जारी कर लोगों से सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है. भारत सीमा पर हाई अलर्टनेपाल के ये हिंसा प्रभावित जिले भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे हुए हैं.सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस अतिरिक्त चौकसी बरत रही है तथा सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है.

आपको बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल के दिनों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा केवल पड़ोसी देश की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। भारत से लगी खुली सीमा, दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक संबंध और सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा आर्थिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सुनसरी जिले के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ विवाद यदि सिराहा, धनुषा और अन्य क्षेत्रों तक तनाव का कारण बन रहा है, तो इसे सामान्य स्थानीय झड़प मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हिंसा, पथराव, आगजनी और सुरक्षाबलों के साथ झड़पों के बाद नेपाल के कई संवेदनशील क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है। लोगों की आवाजाही, सभाओं, प्रदर्शनों और सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगाई गई है। संवेदनशील स्थानों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख मागों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। नेपाल की सेना और सशस्त्र पुलिस बल को भी निगरानी में लगाया गया है। इन कदमों से स्पष्ट है कि नेपाली प्रशासन स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है, लेकिन असली चुनौती केवल हिंसा रोकना नहीं, बल्कि उसके पीछे सक्रिय अफवाहों, उकसावे और संगठित कट्टरता की पहचान करना है। सांप्रदायिक हिंसा प्रायः अचानक दिखाई देती है, लेकिन उसकी जमीन लंबे समय में तैयार होती है। किसी धार्मिक आयोजन, जुलूस, रास्ते, नारे, सोशल मीडिया पोस्ट या मामूली विवाद को बहाना बनाकर भीड़ को भड़काया जाता है। कुछ घंटों में स्थानीय विवाद सामुदायिक संघर्ष में बदल जाता है। इसके बाद झूठी तस्वीरें, पुराने वीडियो और अपुष्ट संदेश आग में घी का काम करते हैं। नेपाल में भी प्रशासन को यह जांचना होगा कि क्या सुनसरी की घटना के पीछे कोई सुनियोजित अभियान, भड़काऊ प्रचार या बाहरी सहायता से चलने वाला नेटवर्क सक्रिय था। नेपाली मीडिया में सामने आई कथित सुरक्षा रिपोर्टों ने चिंता को और बढ़ाया है। बताया गया है कि नेपाल की आई पुलिस फोर्स ने कुछ वर्ष पहले ही तराई-मधेस क्षेत्र में धार्मिक और जातीय तनाव भड़काने वाले तत्वों को लेकर सरकार को सतर्क किया था। यदि वास्तव में ऐसी चेतावनी दी गई थी और उस पर समय रहते पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जाएगी। खुफिया सूचनाओं का उद्देश्य केवल दस्तावेज तैयार करना नहीं, बल्कि संभावित संकट को रोकने के लिए नीति और कार्रवाई तय करना होता है। हालांकि इस संवेदनशील परिस्थिति में सबसे अधिक सावधानी भाषा और आरोपों को लेकर बरतने की आवश्यकता है। किसी पूरे समुदाय, धर्म, क्षेत्र या जनसंख्या समूह को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे तनाव और बढ़ सकता है। धार्मिक स्थलों, मदरसों, मंदिरों, बस्तियों या जनसंख्या में बदलाव से संबंधित दावों की निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित जांच होनी चाहिए। अपुष्ट जनसांख्यिकीय आशंकाओं को राजनीतिक हथियार चनाना समाज को और विभाजित कर सकता है। समस्या कट्टरपंथ, हिंसक संगठन और कानून तोड़ने वाले तत्व हैं कि किसी धर्म के सामान्य नागरिक नहीं। नेपाल की सामाजिक संरचना बहुधार्मिक, बहुभाषी और बहुजातीय है। तराई क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम, मधेसी, थारू, पहाड़ी और अन्य समुदाय लंबे समय से साथ रहते आए हैं। इस सामाजिक ताने-बाने की रक्षा नेपाल सरकार की पहली जिम्मेदारी है। स्थानीय धार्मिक नेताओं, नागरिक संगठनों, शिक्षकों, पत्रकारों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को शांति बहाली में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। केवल पुलिस बल के भरोसे स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। संवाद, विश्वास बहाली और निष्पक्ष न्याय भी उतने ही आवश्यक हैं। भारत के वि भारत के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण खुली सीमा है। भारत और नेपाल के नागरिक अनेक स्थानों पर बिना पासपोर्ट और वीजा के सीमा पार करते हैं। व्यापार, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा और पारिवारिक संबंधों के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसी स्थिति में नेपाल की हिंसा का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों पर पड़ना स्वाभाविक है। अफवाहें, भड़काऊ सामग्री, असामाजिक तत्व या अवैध हथियार सीमा पार न पहुंचें, इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। बिहार से लगी सीमा पर हाई अलर्ट उचित कदम है, लेकिन सतर्कता का अर्थ सामान्य यात्रियों और सीमावर्ती नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं होना चाहिए। सशस्त्र सीमा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर प्रसारित झूठी खबरों पर भी तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सीमावर्ती गांवों में शांति समितियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से संवाद बढ़ाकर अफवाहों को शुरूआती स्तर पर रोका जा सकता है। भारत और नेपाल के बीच सुरक्षा सहयोग को भी मजबूत करने की आवश्यकता है। दोनों देशों की एजेंसियों को हिंसा फैलाने वाले संगठनों, अवैध धन प्रवाह, हथियारों की तस्करी और डिजिटल प्रचार नेटवर्क से जुड़ी सूचनाएं साझा करनी चाहिए।

संसद का रंगमंच, प्रतीकों की राजनीति और लोकतंत्र की बदलती भाषा

कुमार कृष्णन

यह घटना केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं थी। इसके पीछे एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश था। विपक्ष राजनीतिक चंदे की व्यवस्था, चुनावी वित्तपोषण और सत्ता तथा पूंजी के संबंधों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करना चाहता था। यह प्रदर्शन प्रत्यक्ष आरोपों की बजाय प्रतीकों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास था।

भारतीय संसद को लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर कहा जाता है। यहां कानून बनते हैं, नीतियां तय होती हैं और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में संसद केवल विधायी बहसों का मंच नहीं रह गई है। वह राजनीतिक प्रतीकों, दृश्यात्मक विरोधों और कैमरों के सामने रचे जाने वाले संदेशों का भी केंद्र बन गई है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा परिसर में विपक्ष द्वारा प्रस्तुत चंदा चोरी का सांकेतिक नाटक इसी बदलते राजनीतिक दौर की एक महत्वपूर्ण झलक है।

शुक्रवार को संसद परिसर में जो दृश्य सामने आया, वह सामान्य संसदीय विरोध से अलग था। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर पुजारी के वेश में पहुंचे। उनके सामने एक दानपात्र रखा गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वहां आए और प्रतीकात्मक रूप से उसमें चंदा डाला। कुछ क्षण बाद पुजारी बने पप्पू यादव दानपात्र लेकर भागने लगे। पीछे से विपक्षी सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया और चंदा चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए। कुछ मिनटों का यह दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया और संसद की औपचारिक बहसों से अधिक चर्चा इसी प्रदर्शन की होने लगी।

यह घटना केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं थी। इसके पीछे एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश था। विपक्ष राजनीतिक चंदे की व्यवस्था, चुनावी वित्तपोषण और सत्ता तथा पूंजी के संबंधों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करना चाहता था। यह प्रदर्शन प्रत्यक्ष आरोपों की बजाय प्रतीकों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास था।

दरअसल, राजनीति में प्रतीकों की शक्ति अत्यंत गहरी होती है। इतिहास गवाह है कि कई बार प्रतीक लंबे भाषणों से अधिक प्रभावी सिद्ध हुए हैं। महात्मा गांधी का दांडी मार्च केवल नमक कानून तोड़ने का अभियान नहीं था; वह औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वाभिमान का प्रतीक बन गया। जयप्रकाश नारायण की रैलियां केवल राजनीतिक सभाएं नहीं थीं; वे व्यवस्था परिवर्तन की सामूहिक आकांक्षा का दृश्य थीं। अन्ना हजारे का गांधी टोपी पहनना हो या किसानों का ट्रैक्टर लेकर दिल्ली पहुंचना–इन सभी आंदोलनों ने प्रतीकों के माध्यम से अपनी बात व्यापक समाज तक पहुंचाई।

भारतीय राजनीति में संसद के भीतर और बाहर प्रतीकात्मक विरोध का लंबा इतिहास है। कभी सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे, कभी हाथों में हथकड़ियां लेकर, कभी संविधान की प्रतियां लहराईं, तो कभी महंगाई के विरोध में गैस सिलेंडर या सब्जियां लेकर प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष भी इससे अलग नहीं रहा है। विपक्ष में रहते हुए आज सत्ता में बैठे कई नेताओं ने भी संसद परिसर में इसी प्रकार के सांकेतिक प्रदर्शन किए थे। इसलिए संसद परिसर में विरोध का यह स्वरूप पूरी तरह नया नहीं है। नया केवल उसका दृश्यात्मक विस्तार है।

आज की राजनीति सोशल मीडिया के युग में प्रवेश कर चुकी है। पहले संसद की बहसें अगले दिन अखबारों के माध्यम से जनता तक पहुंचती थीं। अब संसद परिसर का तीस सेकंड का वीडियो कुछ ही मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे में राजनीतिक दलों की रणनीति भी बदल गई है। अब केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं माना जाता। उन्हें ऐसे दृश्य में बदलना भी आवश्यक समझा जाता है जो कैमरे पर प्रभावशाली लगे और सोशल मीडिया पर वायरल हो सके।

यही कारण है कि संसद परिसर अब राजनीतिक संप्रेषण का नया मंच बन गया है। यहां दिया गया हर दृश्य राजनीतिक संदेश का हिस्सा होता है। विपक्ष यह समझता है कि उसकी हर बात संसद के भीतर पूरी तरह सुनी जाए, यह आवश्यक नहीं; लेकिन यदि वही बात प्रतीकात्मक प्रदर्शन के माध्यम से कैमरे तक पहुंच जाए, तो उसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक हो सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में पप्पू यादव की भूमिका विशेष चर्चा का विषय रही। वे लंबे समय से अपनी अलग राजनीतिक शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी राजनीति केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहती। वे अक्सर जनभाषा, प्रतीकों और नाटकीय प्रस्तुतियों के माध्यम से संवाद स्थापित करते हैं। पुजारी के वेश में उनका संसद पहुंचना भी उसी शैली का विस्तार था। दूसरी ओर राहुल गांधी ने भी बिना लंबा भाषण दिए केवल दानपात्र में चंदा डालकर पूरे प्रदर्शन को राजनीतिक अर्थ प्रदान किया। यह आधुनिक राजनीतिक संप्रेषण की वह शैली है जिसमें दृश्य, शब्दों से अधिक प्रभावशाली बन जाता है।

लेकिन इस पूरे प्रसंग का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संसद केवल राजनीतिक संघर्ष का मंच नहीं है; वह संवैधानिक मयार्दाओं का भी प्रतीक है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक संस्थाओं की गरिमा भी है। यदि संसद परिसर लगातार राजनीतिक रंगमंच में बदलता गया, तो क्या गंभीर संसदीय विमर्श पीछे नहीं छूट जाएगा? यह चिंता निराधार नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष समय-समय पर सांसदों को संसद की गरिमा बनाए रखने की सलाह देते रहे हैं। संसदीय परंपराएं केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक आत्मसंयम से भी संचालित होती हैं। लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि असहमति किस भाषा और किस मयार्दा में व्यक्त की जाती है।

हालांकि यह भी सच है कि लोकतंत्र केवल औपचारिक गंभीरता का नाम नहीं है। व्यंग्य, नाटक और सांकेतिक अभिव्यक्ति भी लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। ब्रिटेन की संसद से लेकर यूरोप, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और ताइवान तक अनेक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सांसदों ने प्रतीकात्मक विरोध के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। कई बार ऐसे प्रदर्शन सार्वजनिक विमर्श को नई दिशा भी देते हैं।

भारत में भी संसद के बाहर और भीतर कई ऐसे प्रतीकात्मक प्रदर्शन हुए हैं जिन्होंने राष्ट्रीय बहस को प्रभावित किया। इसलिए हर नाटकीय प्रदर्शन को केवल नौटंकी कहकर खारिज करना उचित नहीं होगा। प्रश्न यह है कि क्या वह प्रदर्शन किसी वास्तविक सार्वजनिक मुद्दे को सामने ला रहा है या केवल राजनीतिक मनोरंजन का माध्यम बन रहा है। चंदा चोरी वाला यह नाटक भी इसी कसौटी पर परखा जाएगा। यदि इससे चुनावी वित्तपोषण, राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही पर गंभीर बहस आगे बढ़ती है, तो इसका लोकतांत्रिक महत्व होगा। लेकिन यदि यह केवल सोशल मीडिया की सुर्खियां बनकर रह जाता है, तो इसकी राजनीतिक उपयोगिता सीमित रह जाएगी।

आज भारतीय राजनीति में दृश्य प्रभाव की प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। चुनावी सभाओं से लेकर संसद परिसर तक हर जगह कैमरा निर्णायक भूमिका निभा रहा है। राजनीतिक दल जानते हैं कि जनता का एक बड़ा वर्ग अब लंबी बहसें नहीं, बल्कि छोटे वीडियो देखता है। इसलिए राजनीति भी उसी भाषा में संवाद स्थापित कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी।

अवसर इसलिए कि जटिल राजनीतिक प्रश्नों को सरल प्रतीकों के माध्यम से आम नागरिक तक पहुंचाया जा सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं राजनीति केवल प्रदर्शन तक सीमित न हो जाए और नीति, तर्क तथा तथ्य पीछे न छूट जाएं। लोकतंत्र का स्वास्थ्य केवल इस बात से तय नहीं होता कि कौन-सा वीडियो कितना वायरल हुआ, बल्कि इससे तय होता है कि संसद में कितनी गंभीर बहस हुई, कितनी जवाबदेही तय हुई और जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितने ठोस निर्णय लिए गए।

यह भी ध्यान रखना होगा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को अभिनय के लिए नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व के लिए भेजती है। अभिनय यदि संदेश को प्रभावी बनाता है तो उसका स्थान हो सकता है, लेकिन यदि वह वास्तविक विमर्श का विकल्प बन जाए, तो लोकतंत्र का नुकसान होगा। संसद की शक्ति उसकी बहसों, समितियों, कानून निर्माण और जवाबदेही में निहित है। राजनीतिक रंगमंच इन मूल दायित्वों का पूरक हो सकता है, प्रतिस्थापन नहीं।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक व्यापक प्रश्न भी खड़ा किया है। क्या भारतीय राजनीति अब विचारों से अधिक दृश्यों पर आधारित होती जा रही है? क्या चुनावी लोकतंत्र में कैमरे की उपस्थिति ने राजनीतिक व्यवहार को बदल दिया है? क्या राजनीतिक दल अब संसद के भीतर बोलने से अधिक संसद परिसर में दिखने की चिंता करने लगे हैं? इन प्रश्नों के उत्तर आने वाले वर्षों में भारतीय लोकतंत्र की दिशा तय करेंगे।

लोकतंत्र में प्रतीकों की अपनी जगह है और संसद की गरिमा की अपनी। दोनों के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सत्ता से कठिन प्रश्न पूछे। सत्ता का दायित्व है कि वह उन प्रश्नों का उत्तर दे। और संसद का दायित्व है कि वह इस पूरे संवाद को गरिमा, विवेक और संवैधानिक मयार्दा के साथ संचालित करे।

अंततः, संसद परिसर में खेला गया यह छोटा-सा नाटक केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था। यह उस दौर की तस्वीर है जिसमें लोकतंत्र कैमरों, सोशल मीडिया, प्रतीकों और दृश्य राजनीति के नए युग में प्रवेश कर चुका है। अब चुनौती यह है कि इस दृश्य राजनीति के बीच विचारों की राजनीति, नीति की राजनीति और जनहित की राजनीति कहीं धुंधली न पड़ जाए। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति अभिनय में नहीं, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और जनविश्वास में निहित है। यदि संसद इन मूल्यों को सुरक्षित रखती है, तो वह केवल लोकतंत्र का मंदिर ही नहीं, उसकी आत्मा भी बनी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

चीन में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 51 पहुंची, 10 लोग अब भी लापता

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन में इस महीने हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि जमीन पर चलाया जा रहा खोज अभियान समाप्त कर दिया गया है, जबकि 10 लोग अब भी लापता हैं। प्रशासन के अनुसार, युजियांग नदी में ड्रेजिंग और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। यह हादसा 17 जुलाई को चोंगकिंग के पेंगशुई काउंटी में हुआ था, जहां पहाड़ी से गिरी चट्टानों और मलबे ने 10 से अधिक आवासीय इमारतों और एक मिनीबस को अपनी चपेट में ले लिया था। इस दुर्घटना में 10 लोग घायल हुए थे, जिनमें से तीन को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। प्रशासन ने बताया कि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और प्रभावित इलाके में यातायात जल्द बहाल होने की उम्मीद है। नदी में लापता लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों और पानी के भीतर काम करने वाले रोबोट की मदद ली जा रही है।

ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में फेल :49-50 वोट से गिरा, ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई सीमित करने वाला प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। इसके लिए गुरुवार को वोटिंग हुई, जिसमें यह 49-50 के अंतर से खारिज हो गया। पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अभी यह विधेयक सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी समिति में अटका हुआ है। प्रस्ताव लाने वाले सांसद चाहते थे कि इसे पूरे सीनेट में चर्चा और वोटिंग के लिए पेश किया जाए। अब इसे पूरे सीनेट में लाने के लिए सांसदों को दोबारा कोशिश करनी होगी। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ जाता, तो ईरान के खिलाफ हमले शुरू करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति अकेले ऐसा फैसला नहीं ले सकते थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया ईरान हमलों के बाद विपक्षी सांसद लगातार मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद की मंजूरी से ही हो।

ट्रम्प का दावा- हमास-इजराइल में पीस एग्रीमेंट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। उनके मुताबिक, हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी। ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे। ट्रम्प ने इस समझौते के लिए मिस्र, कतर और तुर्किये का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन देशों और अमेरिकी टीम की लगातार कोशिशों से दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ सकी। ट्रम्प ने कहा यह डील अमेरिका के 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है। नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी। इसके लिए बड़ी तैयारी और तालमेल की जरूरत होगी। नई फिलिस्तीनी सरकार को समर्थन चाहिए- गाजा का प्रशासन नई तकनीकी फिलिस्तीनी सरकार संभालेगी।

स्पेन में बेकाबू हुए हालात, समंदर के रास्ते घुसे हजारों लोग; 18 मौतों के बाद स्यूटा में सेना की एंट्री

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी तट पर स्थित छोटे से शहर स्यूटा में इन दिनों गंभीर मानवीय और सुरक्षा संकट पैदा हो गया है। बेहतर भविष्य की तलाश में मोरक्को से हजारों प्रवासियों ने अवैध रूप से सीमा पार कर स्पेन में प्रवेश किया है। इस भगदड़ और समुद्र पार करने के खतरनाक प्रयास में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई है कि स्पेन सरकार को बॉर्डर पर कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है। स्यूटा सीमा पर तैनात सिविल गार्ड अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान स्थिति पूरी तरह से अराजक है। प्रवासियों की संख्या इतनी अधिक है कि सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल हो रहा है, लेकिन हजारों की भीड़ लगातार सीमा पार कर रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में बड़ी संख्या में लोग, जिनमें ज्यादातर मोरक्को के युवा पुरुष हैं, तराजाल समुद्र तट के रास्ते स्थानीय सड़कों पर आते दिखाई दे रहे हैं।

पाकिस्तान की कोयला खदान में बड़ा हादसा, धमाके में 32 मजदूरों की मौत; 10 अब भी फंसे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति बेहद गंभीर मानी जा रही है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

धमाका कैसे हुआ : सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने के कारण हुआ। हादसे के कुछ घंटों बाद पहले सात मजदूरों के शव निकाले गए, जबकि बाद में चार और शव बरामद किए गए। गनी बलोच ने बताया कि राहत अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी फंसे मजदूरों का पता नहीं चल जाता। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है, जिससे किसी के जीवित मिलने की संभावना लगातार कम होती जाती है। इसी वजह से बचाव दल भी बेहद सावधानी के साथ अंदर आगे बढ़ रहे हैं।

सरकार ने क्या कहा : बलूचिस्तान के खान एवं खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने कहा कि राहत दल बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और प्रांतीय सरकार बचाव कार्य में हरसंभव मदद कर रही है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को पांच लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएंगे। नोशेरवानी ने कहा कि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

क्या लापरवाही हादसे की वजह बनी : कोयला खदान मजदूर यूनियन ने आशंका जताई है कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम हो सकता है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से मांग की है कि खदान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

क्या पाकिस्तान में ऐसे हादसे आम हैं : पाकिस्तान के कोयला खनन उद्योग, खासकर बलूचिस्तान में, ऐसे हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं। कई खदानों में पर्याप्त वेंटिलेशन, गैस मॉनिटरिंग सिस्टम और अन्य बुनियादी सुरक्षा उपायों का अभाव बताया जाता है। मजदूर संगठनों का लंबे समय से आरोप रहा है कि खदान मालिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते और श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराते। इसके बावजूद, कम मजदूरी और जोखिम भरे माहौल में भी हजारों लोग अपनी आजीविका के लिए इसी उद्योग पर निर्भर हैं। खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार इस जानलेवा धमाके के कुछ घंटों बाद 7 खनिकों के शव बरामद कर लिए गए। अधिकारियों का मानना है कि खदान के अंदर यह बड़ा धमाका मीथेन गैस जमा होने की वजह से हुआ था। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य आपातकालीन दल तेजी से अपना बचाव अभियान चला रहे हैं। खदान के अंदर मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है।

बचाव कार्य लगातार जारी : ऑक्सीजन खत्म होने के कारण फंसे हुए खनिकों के जीवित बचने की संभावना काफी ज्यादा कम हो जाती है। इसके बावजूद बचावकर्मी खदान के अंदर बहुत ही ज्यादा सावधानी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि खनिक जमीन के नीचे कितनी गहराई में काम कर रहे थे। लेकिन उनका कहना है कि जब तक सभी 41 खनिक नहीं मिल जाते, तब तक यह बचाव अभियान जारी रहेगा। बलूचिस्तान हादसे के अलावा बुधवार रात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आतंकी हमला हुआ है। अफगान सीमा के पास मौजूद हंगू जिले में एक पुलिस चेकपॉइंट पर घात लगाकर अचानक हमला किया गया। हमलावरों ने पुलिस पोस्ट को निशाना बनाने के लिए पहले विस्फोटक से लदे हुए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया। इसके बाद सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच कई घंटों तक भारी गोलीबारी चलती रही। इस भीषण गोलीबारी में 11 पुलिस अधिकारियों की जान चली गई और 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मारे गए लोगों में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट दियार खान भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया सीमा पर भटका अमेरिकी सैन्य ड्रोन; उत्तर कोरियाई सीमा के पास हड़कंप, इलाके कराए गए खाली

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान गुरुवार को एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन सीमा क्षेत्र में पहुंच गया, जिसके बाद दक्षिण कोरियाई सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। एहतियात के तौर पर उत्तर कोरिया से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत और चेओरवोन क्षेत्र के कुछ इलाकों को खाली कराया गया तथा स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। शुरुआती जांच में दक्षिण कोरियाई सेना ड्रोन की पहचान नहीं कर सकी, जिससे कुछ समय के लिए आशंका बनी रही कि कहीं यह उत्तर कोरिया से तो नहीं आया।

बाद में संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि यह अमेरिकी मरीन कॉर्प्स का मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) था, जो द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण में शामिल था। अमेरिकी सेना और दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन निर्धारित मार्ग से कैसे भटका। फिलहाल किसी तरह के नुकसान या सुरक्षा उल्लंघन की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, घटना ने कोरियाई सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाद में यूएस मरीन ड्रोन होने की पुष्टि : दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के अनुसार पता चला की उत्तर कोरिया की सीमा से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत में एक जनरल आउटपोस्ट के दक्षिण में यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का पता चला था। बाद में इसकी पहचान वहां तैनात यूएस मरीन कॉर्प्स के एक मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई। वहीं दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया आगे की जांच-पड़ताल के बाद, इस यूएवी की पहचान ट्रेनिंग में शामिल यूएस मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई।

सीमा क्षेत्र में दिखा अमेरिकी ड्रोन : योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद तय प्रोटोकॉल के अनुसार ऑपरेशनल कदम उठाए गए। यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने भी पुष्टि की कि यह उनका ही ड्रोन था और कहा कि वे स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संयुक्त अभ्यास के दौरान हुई घटना : वहीं यूएसएफके ने दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम लेते हुए कहा यह घटना यूएस मरीन और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के फर्स्ट मरीन डिवीजन के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण के दौरान हुई। उन्होंने आगे कहा, 'यूएस मरीन कॉर्प्स के कर्मी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के हमारे सहयोगियों और संबंधित स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क साधे हुए हैं। बता दें कि इससे पहले दिन में, सोल से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर में, उत्तर-दक्षिण कोरियाई सीमा के साथ बफर जोन के पास चेओरवोन में एक अलर्ट जारी किया गया था।

आस्ट्रेलियाई एयरलाइन के विमान से आसमान में अब सबसे लंबा सफर...बिना रुके सिडनी से सीधे लंदन

सिडनी, एजेंसी। अगले साल से शुरू होने जा रही सबसे लंबी कमर्शियल फ्लाइट (आस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास का विमान) बिना रुके 22 घंटे की यात्रा कराएगा। यह लगभग 18,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने में सक्षम है। एयरबस ए350-1000यूएलआर (अल्ट्रा लॉन्ग रेंज) में लंबी दूरी की उड़ानों के मुकाबले अतिरिक्त 20,000 लीटर का एक्स्ट्रा फ्यूल टैंक लगाया गया है। एशिया, मिडिल ईस्ट या नॉर्थ अमेरिका में होने वाले लंबे ट्रांजिट को खत्म करके यात्री बिना रुके सीधे अपनी मंजिल पर पहुंचेंगे और उनके सफर के 4 घंटे की बचत होगी। बता दें कि एयरबस दो महीने के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत जून से ही इस एयरक्राफ्ट की टेस्टिंग कर रही है।

सामान्य विमानों में जहां 300 से अधिक सीटें होती हैं, वहीं क्वांटास के इस विमान में केवल 238 सीटें ही रखी गई हैं। कम सीटों के होने से विमान का वजन संतुलित रहते और यात्रियों को पैरों फैलाने के लिए अधिक स्पेस, स्ट्रेटिंग स्पेस व आरामदायक केबिन मिलेगा। यात्रियों की सेहत का ध्यान रखते हुए इसमें वेलबीइंग जोन बनाया गया है, जहां यात्रियों के टहलने, स्ट्रेचिंग करने और हल्के-फुल्के रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक (सर्कीडियन रिदम) को ठीक बनाए रखने और जेट लैग के असर को कम करने के लिए केबिन में सनराइज और सनसेट जैसे 12 अलग-अलग प्रोग्रामेबल लाइटिंग थीम्स दी गई हैं। यह विमान शक्तिशाली और बेहद ईंधन-दक्ष रोल्स-रॉयस ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन से संचालित है। अभी दुनिया की सबसे लंबी शेड्यूल्ड कमर्शियल पैसेंजर सर्विस सिंगापुर एयरलाइंस का सिंगापुर और न्यूयॉर्क के बीच नॉन-स्टॉप रूट है, जो 18 घंटे से कुछ ज्यादा समय में लगभग 15,350 किलोमीटर की दूरी तय करता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जरूरी मिनरल्स पर नियंत्रण सख्त करने का लिया फैसला, डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट किया लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल्स और मटीरियल पर नियंत्रण सख्त कर दिया है। इससे कॉमर्स डिपार्टमेंट को देश की रक्षा के लिए जरूरी मानी जाने वाली घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करने की बड़ी कोशिश के तहत एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार मिल गया है। गुरुवार को वाणिज्य सचिव को जारी किए गए प्रेसिडेंशियल डिटरमिनेशन में राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया कि रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल (सीएमएम) देश की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इम्पोर्टेड सप्लाई पर अमेरिका की निर्भरता एक बढ़ता हुआ सुरक्षा खतरा बन गई है। इस फैसले में कहा गया है कि अमेरिका की सीएमएम की कम सप्लाई से हमारे देश की सुरक्षा और बचाव को खतरा बढ़ रहा है। देश विदेशी सोर्स से कुछ सीएमएम के इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है और इस निर्भरता से सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा है। मेमोरेंडम में कहा गया, 'यह जरूरी है कि अमेरिका रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करे। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत वाणिज्य सचिव को रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल पर एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार दिया है। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट में कहा गया है कि इस फैसले से यह नतीजा निकलता है कि सीएमएम देश की रक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं, खासकर मिलिट्री प्रोडक्शन, इंडस्ट्रियल इस्तेमाल और नेशनल सिक्योरिटी के मामले में। इसमें यह भी पाया गया है कि अमेरिका कुछ जरूरी चीजों के लिए विदेशों से इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिससे सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा पैदा होता है। राष्ट्रपति का फैसला वाणिज्य सचिव को रेगुलेशन, नियम, निर्देश और प्रक्रिया जारी करके आदेश को लागू करने का अधिकार देता है। यह फैसला फेडरल रजिस्टर में भी पब्लिश किया जाएगा। सरकार ने कहा कि अमेरिका के पास पहले से ही स्थायी मैग्नेट और लिथियम-आयन बैटरी जैसे तैयार प्रोडक्ट्स में लगे जरूरी मिनरल्स की काफी मात्रा है। जब ये प्रोडक्ट्स अपनी लाइफ साइकिल के आखिर में पहुंच जाते हैं तो इन मटीरियल्स को इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए वापस लिया जा सकता है और रीसायकल किया जा सकता है। व्हाइट हाउस ने कहा कि ये मटीरियल्स जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स के काम करने के तरीके, सुरक्षा और मजबूती को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी हैं। इसमें यह भी कहा गया कि जरूरी मिनरल डिफेंस सप्लाई चेन में आम हैं और एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम में जरूरी इनपुट हैं जो तकनीकी तौर पर बेहतरी, ऑपरेशनल तैयारी और उच्च प्रदर्शन वाले सैन्य उपकरण की एक सीरीज को सपोर्ट करते हैं।'

डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के सेक्शन 101 के तहत राष्ट्रपति ट्रंप ने तय किया कि रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम देश की रक्षा के लिए जरूरी दुर्लभ और जरूरी मटीरियल हैं। उन्होंने पाया कि इन मटीरियल के लिए देश की रक्षा की जरूरतें सिविलियन मार्केट में ऐसे मटीरियल के नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन में इतनी बड़ी गड़बड़ी पैदा किए बिना पूरी नहीं की जा सकतीं कि काफी मुश्किल हो जाए।

यूरोप की खुली सीमाओं पर संकट: इतालवी प्रधानमंत्री ने दी शेंगेंन समझौते को रद्द करने की धमकी

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। इसमें जरूरत पड़ने पर स्पेन के साथ शेंगेन समझौते को निलंबित करना भी शामिल है। उनका यह बयान स्पेन के स्यूटा क्षेत्र में प्रवासियों की संख्या में अचानक आई बढ़ोतरी के बाद आया है।

पीएम मेलोनी ने क्या चेतावनी दी ब्र पीएम मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि स्यूटा से सामने आ रही तस्वीरें इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि अनियंत्रित अवैध प्रवासन यूरोप की सीमाओं की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने इटली के गृह मंत्री मत्तेओ प्यान्तेदोसी से सीधे बात की है और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की बैठक बुलाई गई है, ताकि औपचारिक जवाबी कार्रवाई पर फैसला किया जा सके। इतालवी पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि उनकी सरकार सीमा पर बन रहे हालात को देखते हुए चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय बैठकों के फैसले के आधार पर इटली अपनी सीमाओं की रक्षा और लोगों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने को तैयार है। उन्होंने खासतौर से स्पेन के साथ खुले सीमा वाले शेंगेन समझौते को निलंबित करने का विकल्प भी बताया। मेलोनी ने दोहराया कि उनकी सरकार अवैध प्रवासन के खिलाफ सख्त नीति पर कायम है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता सीमाओं की सुरक्षा, मानव तस्करी के गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अवैध प्रवासियों को जल्दी वापस भेजना है।

स्यूटा में क्यों बढ़ा संकट : उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में सीमा संकट तेजी से बढ़ रहा है। स्यूटा की मोरक्को के साथ जमीनी सीमा लगती है। पोलिटिको के अनुसार, बुधवार से हजारों प्रवासी इस क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। इससे स्थानीय प्रशासन पर भारी दबाव पड़ गया है और सीमा प्रबंधन को लेकर स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की आलोचना तेज हो गई है। स्यूटा के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बुधवार को समुद्री मार्गों से लगातार पहुंच रहे प्रवासियों को लेकर चेतावनी जारी की। स्यूटा के क्षेत्रीय प्रमुख जुआन जीसस विवास ने स्थिति को 'पूरी तरह मानवीय और सामाजिक आपातकाल' बताया। उन्होंने मैड्रिड की केंद्र सरकार से तुरंत दखल की मांग की। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि उनकी सरकार मोरक्को के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके। उन्होंने जल्द सरकारी कार्रवाई का भी भरोसा दिया। सांचेज पर राजनीतिक दबाव उस समय और बढ़ गया, जब स्पेन के सुप्रीम कोर्ट ने समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों को तुरंत वापस भेजने पर रोक लगाने वाला फैसला दिया। इस संकट के कारण प्रधानमंत्री की देश के भीतर भी तीखी आलोचना हो रही है।

ब्रिटिश सांसदों ने पीओके में हिंसा पर जताई चिंता, तनाव तुरंत कम करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ती अशांति को लेकर कई ब्रिटिश सांसदों ने गंभीर चिंता जताई है। इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई, आवाजाही पर पाबंदियों और संचार व्यवस्था ठप होने की खबरों के बीच आम नागरिकों के हताहत होने और घायल होने की भी खबरें आ रही हैं। ब्रैडफोर्ड के सांसद इमरान हुसैन और ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप (एपीपीजी) के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और 50 से अधिक सांसदों ने पीओके के हालात को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) के विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हुसैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कश्मीर पर एपीपीजी के चेयरमैन के तौर पर 50 से अधिक सांसदों के साथ मिलकर हमने मौजूदा हालात के बारे में विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हम तनाव के गंभीर रूप से बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं, खासकर हालिया खबरों को लेकर जिनमें गोलीबारी से लोगों की मौत और घायल होने की बात कही गई है।'

हुसैन ने कहा कि कई ब्रिटिश कश्मीरी उस इलाके में अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा, 'कई ब्रिटिश कश्मीरी अपने परिवारों की सुरक्षा और भलाई को लेकर चिंतित हैं, जिससे हमारे समुदायों में काफी बेचैनी और परेशानी है।' उन्होंने कहा, 'यूके सरकार को तनाव कम करने और बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी सही कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस बातचीत के केंद्र में कश्मीरियों के बुनियादी मानवाधिकार होने चाहिए।' ये बातें तब सामने आईं जब गुरुवार को यूके के कई सांसदों ने पीओके में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की खबरों पर चिंता जताई। सांसद जारा सुल्ताना ने एक्स पर लिखा, 'कश्मीर के लोगों के साथ एकजुटता। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा घातक बल प्रयोग की खबरें और वीडियो फुटेज बेहद परेशान करने वाले हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'खबर है कि संचार व्यवस्था ठप होने के बीच कम से कम 30 लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। हिंसा खत्म होनी चाहिए। संचार व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए, स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जानी चाहिए और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूके की एक और सांसद नादिया व्हिटोम ने कहा कि जून में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अधिकारियों ने सख्त संचार प्रतिबंध लागू कर दिया था।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा! 3 की जान जाने के बाद पीएम बालेन शाह ने की शांति की अपील

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच भड़की भीषण सांप्रदायिक हिंसा से पूरे इलाके में गहरा तनाव पैदा हो गया है। सुनसरी जिले से रविवार को शुरू हुई यह भयंकर हिंसा अब सिराह और धनुषा जिले तक पूरी तरह फैल गई है। इस हिंसक टकराव और पुलिस के साथ हुई भीषण झड़पों में अब तक कुल तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। यह स्थिति नेपाल सरकार के लिए बहुत ही ज्यादा चिंताजनक बन गई है।

देश के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने इस बेहद नाजुक स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने टेलीविजन पर अपने खास संबोधन में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घटना की निष्पक्ष जांच का पूरा भरोसा दिलाया। गृह मंत्रालय ने इस हिंसक घटना की गहराई से जांच के लिए तुरंत एक विशेष जांच समिति का भी गठन कर दिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी घायल लोगों का मुफ्त और बेहतर इलाज करने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

कैसे भड़की यह भयंकर हिंसा : इस गंभीर हिंसा की मुख्य शुरुआत 26 जुलाई को सुनसरी जिले के कप्तानगंज क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा के दौरान हुई थी। श्रावण महीने में बोलबम पर्व के हिंदू श्रद्धालु कोशी बैराज से पवित्र जल लेकर तेज डीजे संगीत के साथ आगे जा रहे थे। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस तेज संगीत पर भारी आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों पक्षों में भयंकर बहस शुरू हो गई। यह बहस और विवाद अचानक से बहुत उग्र हो गया। देखते ही देखते यह छोटा सा विवाद धक्का-मुक्की और एक बहुत ही बड़े हिंसक टकराव में पूरी तरह से बदल गया। दोनों समुदायों के लोग लाठियां, पत्थर, बांस और लोहे की रॉड जैसे खतरनाक हथियार लेकर बहुत बड़ी संख्या में घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। स्थिति को बेकाबू होता देखकर पुलिस को मजबूरन सख्त हस्तक्षेप करना पड़ा जिसमें पुलिस की गोली लगने से एक युवक ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। इसके बाद पूरे इलाके में भयानक हिंसा भड़क उठी।

तीन निर्दोष लोगों की गई जान : पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई इस भीषण झड़प में अब तक तीन लोगों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है। इनमें जय प्रकाश मेहता, ओम प्रकाश मेहता और एक किशोर गणेश यादव का नाम आधिकारिक रूप से शामिल बताया गया है। सिराहा जिले में हुई हिंसक झड़प के दौरान गोली लगने से युवा गणेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना बहुत ही ज्यादा दुखद और खौफनाक है। वहीं जय प्रकाश मेहता और ओम प्रकाश मेहता की जान रविवार को सुनसरी में हुई भयानक पुलिस झड़प के कारण चली गई। इन मौतों के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है और कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुई हैं। हालात को तुरंत काबू में करने के लिए प्रशासन ने सिराहा और जनकपुरधाम के कई संवेदनशील इलाकों में सख्त कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस बल लगातार इन सभी प्रभावित क्षेत्रों में कड़ी गश्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री पर विपक्ष का भारी निशाना : नेपाल सरकार और प्रधानमंत्री बालेन शाह पर इस संकट के समय सही राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं देने का बहुत बड़ा आरोप लगा है। विपक्षी नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री ने स्थिति सुधारने के लिए कोई भी सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में भी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों पूरी तरह से अनुपस्थित रहे। आलोचकों ने राष्ट्रपति को जानकारी न देने का भी गंभीर मुद्दा उठाया है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अफवाहों को रोकने के लिए लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। गुरुवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में देश की समग्र सुरक्षा स्थिति की पूरी बारीकी से समीक्षा की गई। भारत की सीमा से लगे नेपाल के पर्सा जिले में भी एहतियात के तौर पर सख्त निषेधाज्ञा पूरी तरह से लागू कर दी गई है।

द इंडिया... का क्लाइमैक्स निभाना आसान नहीं था

श्रेयस तळपदे इन दिनों अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ काजल अग्रवाल भी हैं। श्रेयस ने खास बातचीत में अपने किरदार, फिल्म के विषय और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभव साझा किए...

बतौर एक्टर आपके लिए 'द इंडिया स्टोरी' की सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

'द इंडिया स्टोरी' का सबसे मुश्किल हिस्सा क्लाइमैक्स का एक इमोशनल सीन था। अस्पताल के माहौल में पिता और बेटी के संघर्ष को इतनी वास्तविकता के साथ फिल्माया गया कि उसे निभाना मेरे लिए भी काफी डिस्टर्बिंग रहा। कुछ सीन कलाकार के मन में लंबे समय तक रह जाते हैं और यह उन्हीं में से एक है। हालांकि निर्देशक और पूरी टीम के सहयोग से उस चुनौती को पार कर पाया।

यह फिल्म करने के बाद आप खुद खाद्य पदार्थों को लेकर कितने सतर्क हुए हैं?

इस फिल्म के बाद मैं खुद भी ज्यादा सावधान हो गया हूं। डेयरी प्रोडक्ट्स काफी कम कर दिए हैं और कच्ची सब्जियां सीधे खाने के बजाय स्टीम करके खाता हूं। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जो खाना उनकी थाली में है, वह कहां से आ रहा है, उसमें कितना कीटनाशक इस्तेमाल हुआ है और वह किस स्रोत से आया है। जब उपभोक्ता जागरूक होकर सवाल पूछेंगे, तब खाद्य उत्पादकों को भी बेहतर और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

असल भीड़ के साथ शूट करने में कोई परेशानी हुई?

हमारे डायरेक्टर ने जिस तरह से सीन सेटअप किया था, जो माहौल क्रिएट किया है, वह बहुत ही रियलिस्टिक रहा। जैसे हॉस्टिपटल के कुछ सीक्वेंस और कोर्ट के अंदर-बाहर के कुछ सीन सीक्वेंस हैं। वहां जितने क्राउड की जरूरत थी, उन्हें रियल में बुलाकर फिल्माया गया है। पूरे क्राउड के साथ शूट करने का फिल्म पर एक अलग ही असर होता है।

स्क्रिप्ट चुनने का पैमाना क्या है?

कहानी से एक जुड़ाव महसूस होना जरूरी है। ऐसा लगना चाहिए कि यह कहानी बतौर एक्टर मेरे पोटेंशियल को थोड़ा चैलेंज करेगी। मैं इस कहानी के जरिए दर्शकों को कुछ नया दिखा पाऊंगा। हमारे फैंस भी चाहते हैं कि हम कुछ न कुछ नया लेकर आएं। ऐसा लगता है कि कहानी दिलचस्प हो सकती है, तब उसे करने के लिए तैयार हो जाता हूं।

पहली बार काजल अग्रवाल के साथ काम की यादें और काई वाकया साझा करेंगे?

काजल बहुत सुलझी हुई, समझदार और प्रोफेशनल एक्ट्रेस हैं। सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। अगर ऐसे शानदार एक्ट्रेस हों, तब उनके होने से सामने वाले का काम बेहतर हो जाता है। ऑफकोर्स, हमारे बीच खाने, स्क्रिप्ट और बच्चों को लेकर काफी डिसकशन होते थे।

गोविंदा वाली कॉमेडी फिर लौटानी है

'किल' में खतरनाक विलेन बनकर चौंकाने वाले राघव जुयाल अब कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ लौट रहे हैं। वह खुद को हीरोइक जॉनर में लेकर आ गए हैं। नई फिल्म को लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

बचपन में परिवार एक साथ थिएटर जाकर कॉमेडी फिल्में देखा करता था। आज भी दर्शकों के भीतर उसी तरह की फिल्मों की भूख मौजूद है, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी फिल्में कम बन रही हैं। मेरे लिए 'भाई तेरा स्टार है' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं है। यह एक मिशन जैसी है। मैं चाहता हूं कि लोग फिर से थिएटर में बैठकर बिना दिमाग पर बोझ लिए खुलकर हंसें। मुझे लगता है कि गोविंदा सर वाली जो मास एंटरटेनर कॉमेडी थी, उसकी जगह आज भी खाली है। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मेरे कॉमिक अंदाज को दर्शकों ने पसंद किया। इसी ने मेरा भरोसा मजबूत किया कि अच्छी कॉमेडी की आज भी ऑडियंस है। दर्शक सिर्फ बड़े स्टार नहीं देखते, अच्छी कहानी, नए चेहरों को भी अपनाते हैं। मैं फिल्म 'भाई तेरा स्टार...' में ऐसे लड़के का रोल कर रहा हूं, जो खुद को भविष्य का सुपरस्टार मानता है। उसके सपने बड़े हैं, पर जेब छोटी है। एक डॉन से पैसे लेने के बाद उसकी जिंदगी में गलतफहमियों और भाग-दौड़ का सिलसिला शुरू हो जाता है। उसका कॉन्फिडेंस ही उसकी ताकत भी है और मुसीबत भी।

विद्या बालन की चर्चित फ्रैंचाइजी 'कहानी 3' में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

अगले साल तक के लिए टल सकती है सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। इस फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 में तय की गई थी, लेकिन रीशूट और स्क्रिप्ट में बदलाव के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज साल 2027 तक के लिए आगे खिसक सकती है। फिल्म के कंटेंट और चीन से जुड़े संवेदनशील संदर्भों को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि अगर ये समस्याएं जल्द ही हल हो भी जाती हैं, तब भी 2026 में एक उपयुक्त रिलीज स्लॉट मिलना काफी मुश्किल होगा, क्योंकि साल की ज्यादातर बड़ी और खास डेट्स पहले ही दूसरी फिल्मों द्वारा बुक की जा चुकी हैं। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सभी मुद्दे समय रहते सुलझ जाते हैं, तो मेकर्स इसे इसी साल दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने पर विचार कर सकते हैं।

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'छत्रपञ्जति शिवाजी महाराज' में हुई भूमि पेडनेकर की एंट्री

'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की एंट्री हो गई है। जानिए भूमि इस फिल्म में किसका किरदार निभाएंगी। साल 2022 में 'कांतारा' और 2025 में 'कांतारा चैप्टर 1' से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेमा ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रसे भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। सोमवार को मेकर्स ने इसकी घोषणा की।

बेलवाडी मल्लम्मा के किरदार में होंगी भूमि

फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने चार माह के बेटे को गोद में लेकर शिवाजी महाराज की सेना से युद्ध लड़ी थीं।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा - क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते। वे ईश्वर के साथ होने वाली ऐसी बातचीत होते हैं, जो वहां से वापस आने के बाद भी लंबे समय तक इंसान के मन में चलती रहती है। अभिनेत्री के इस आध्यात्मिक अनुभव को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

मलेठी वृद्ध आश्रम में वृद्धजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के निर्देशन में ठाकुर सुंदर सिंह चौहान वृद्ध आश्रम, मलेठी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आश्रम में रह रहे वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। गौरतलब है कि 30 जुलाई को सिविल जज, कोटद्वार सोनिया ने वृद्ध आश्रम का निरीक्षण किया था। इस दौरान आश्रम में रह रहे वृद्धजनों ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया था। सिविल जज के निर्देशों के क्रम में संयुक्त चिकित्सालय सतपुली के प्रभारी डॉ. आशीष ढौढ़ियाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आश्रम पहुंचकर सभी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। इस अवसर पर स्वास्थ्य टीम ने वृद्धजनों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार एवं समय पर दवा लेने के प्रति भी जागरूक किया। आश्रम प्रबंधन ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को वृद्धजनों के लिए लाभदायक बताय। इस अवसर पर डॉ. सुरभि, संगीता जुयाल सीनियर स्टाफ नर्स कंचन, अनिल शर्मा, प्रबंधक पुनीत रावत, पीएलवी सतपुली पुष्पेंद्र राणा आदि मौजूद रहे।

रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने पर दिया जोर

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि की छात्र सलाहकार समिति की ओर से मानविकी, कला, संस्कृति और वाणिज्य संकाय के शोधार्थियों के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों के बीच नियमित संवाद से ही बेहतर शैक्षिक और नैतिक वातावरण तैयार होता है। मुख्य छात्र सलाहकार प्रो. एमएम सेमवाल ने रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने की बात कही। संयुक्त छात्र सलाहकार प्रो. सीमा धवन ने शोधार्थियों को साहित्यिक चोरी (प्लेजरिज्म) से बचने की शपथ दिलाई, जबकि उप छात्र सलाहकार डॉ. कविता भट्ट ने भारतीय जीवन मूल्यों और नैतिक दायित्वों पर प्रकाश डाला।

शिक्षिका की संदिग्ध मौत मामले में सीबीसीआईडी जांच के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : देहरादून के डोईवाला क्षेत्र में विवाह के मात्र आठ माह बाद एक शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मृतका के मायके पक्ष ने पति, सास, ननद सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर दहेज उत्पीड़न एवं मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में पहले पुलिस जांच कर रही थी, लेकिन अब प्रदेश सरकार ने इसकी जांच सीबीसीआईडी को सौंपने के निर्देश दिए हैं। सीबीसीआईडी जांच के आदेश के बाद अब पूरे प्रदेश की निगाहें जांच की निष्पक्षता और दोषियों के विरुद्ध होने वाली कानूनी कार्रवाई पर टिकी हैं। लोगों को उम्मीद है कि जांच से पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी और पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से निष्पक्ष जांच के लिए सीबीसीआईडी जांच कराने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने प्रकरण को गंभीर मानते हुए सीबीसीआईडी जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। इस मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नीलकंठ खण्ड के खण्ड कार्यवाह अलकेश कुकरेती ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि आज के शिक्षित और आधुनिक समाज में भी यदि बेटियां दहेज और मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो रही हैं, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता और आत्ममंथन का विषय है। उन्होंने कहा कि ह्लदोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कानून के अनुसार कठोर से कठोर सजा मिलनी चाहिए। बेटियों के सम्मान और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।ह्व अलकेश कुकरेती ने समाज की सभी बहनों और बेटियों से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई दहेज लोभी, मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा हो तो आत्महत्या जैसा कदम कभी न उठाएं। अपनी पीड़ा माता-पिता, भाई-बहन, रिश्तेदार, मित्र अथवा किसी भरोसेमंद व्यक्ति के साथ साझा करें और कानून की सहायता लें। उन्होंने कहा कि ऐसे दरिंदों को छिपाने के बजाय समाज और कानून के सामने लाना चाहिए, ताकि उन्हें उनके अपराध की कठोर सजा मिल सके और भविष्य में किसी अन्य बेटी की जिंदगी इस तरह बर्बाद न हो। हर बेटी का जीवन अनमोल है और उसकी रक्षा करना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में 144 ने कराई स्वास्थ्य जांच

गोपेश्वर। सेवा सप्ताह के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदानगर में शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 144 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इसमें उच्च रक्तचाप, शूगर, एक्स–रे, लैब जांच, किशोरियों के स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गई। स्तर कैंसर व मुख कैंसर की भी स्क्रिनिंग की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल ने बताया कि दो अगस्त को भी नंदानगर में शिविर आयोजित होगा। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिता, फिजिशियन डॉ. कुलदीप राणा, दंत सर्जन डॉ. अनुराग सक्सेना, होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. हर्षवर्धन सिंह रावत ने मरीजों का परीक्षण किया।

गौचर के पास कमेड़ा में 20 मी. धंसा बदरीनाथ हाईवे

कर्णप्रयाग। गौचर के पास कमेड़ा में बदरीनाथ हाईवे धंस गया है। दो माह पूर्व एनएचआईडीसीएल ने यहां करोड़ों का सुरक्षा कार्य किया था। करोड़ों की लागत से कमेड़ा में किया गया ट्रीटमेंट फिर से भूधंसाव की चपेट में आ गया है। हाईवे के एक छोर से करीब बीस मीटर तक भूधंसाव होने से हाईवे पर मोटी–मोटी दरारें पड़ गई हैं। वहीं हाईवे किनारे लगाई गई गेबियन आगे की ओर झुक गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से यहां यातायात भी वन वे हो गया है। एनएचडीआईसीएल की ओर से यहां पर करीब दो माह पूर्व ट्रीटमेंट कार्य किया गया था। बदरीनाथ हाईवे पर गौचर कमेड़ा में भूधंसाव को रोकने के लिए एनएचडीआईसीएल की ओर से अलकनंदा नदी से हाईवे तक करीब 20 से 25 मीटर की ऊंचाई पर करोड़ों की लागत से ट्रीटमेंट कार्य किया गया था। जिसमें हाईवे पर ड्रिलिंग कर लोहे की रॉडें डालकर जमीन को मजबूत किया गया था।

भूस्खलन और कटाव से सहमे ग्रामीण

थराली। तहसील मुख्यालय राड़ीबगड़ से 200 मीटर दूर बसे राड़ीगांव के 28 परिवार खतरे की जद में हैं। पिछले साल हुए भूस्खलन और घांघली गदेरे के कटाव से गांव के मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीण 15 जून से रात में बारिश के कारण सो नहीं पा रहे हैं। ग्रामीणों ने तत्काल विस्थापन की मांग की। 22 अगस्त 2025 को अतिवृष्टि और बादल फटने से थराली–कुरुड़ मार्ग पर भूस्खलन हुआ। इसका मलबा घांघली गदेरे से राड़ीगांव पहुंचा जिससे मकानों के नीचे कटाव हुआ। लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। दो महीने कुलसारी राहत शिविर में रहने के बाद ग्रामीण लौटे। उन्हें सुरक्षा दीवार बनने की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब फिर भारी बारिश से घांघली गदेरे का उफान जारी है। इससे बची–खुची जमीन भी बह रही है। प्रभावित जगदीश पंत, दिनेश पंत और अन्य ग्रामीणों ने कहा कि सरकार को अतिशीघ्र उनका विस्थापन करना चाहिए। उनके पास जमीन, गोशालाएं और शौचालय नहीं बचे हैं। मकान हवा में लटके हैं और रात को हिलते हैं। तहसीलदार अक्षय पंकज ने बताया कि राड़ीगांव और राड़ीबगड़ के विस्थापन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

घर बैठे करें इंडेन गैस कनेक्शन की ई–केवाईसी

कर्णप्रयाग। रसोई गैस कनेक्शन की ई–केवाईसी को लेकर इंडेन गैस एजेंसी संजीदा हो गई है। इसके लिए रसोई गैस एजेंसी ने ऐप के माध्यम से ई–केवाईसी करने की अपील की है। इंडेन रसोई गैस सहित नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के रसोई गैस पंजीकरण के लिए ई–केवाईसी करने के लिए शिविर लगाए थे लेकिन 14300 पंजीकृत उपभोक्ताओं में से अभी लगभग 2200 उपभोक्ताओं की ई–केवाईसी नहीं हुई है। विभागीय नियमों के तहत 16 अगस्त के बाद बिना ई–केवाईसी के गैस सिलिंडर नहीं मिलेंगे। ऐसे में विभागीय कर्मियों ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए घर बैठे ऐप के माध्यम से ई–केवाईसी कराने की अपील की है। इंडेन रसोई गैस कर्णप्रयाग के डीईओ अरविंद डिमरी ने बताया कि दूर–दराज के उपभोक्ताओं को ऐप के माध्यम से भी ई–केवाईसी की सुविधा मिल सकेगी। यदि ऑनलाइन में कोई दिक्कत हो तो एजेंसी के कर्मियों से संवाद कर सकते हैं। बताया कि गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से इंडेन ऑयल वन ऐप इंस्टॉल करें। इसके बाद प्रोफाइल में जाकर मोबाइल नंबर के जरिये साइन इन कर ई–केवाईसी का चयन करें।

भागवत कथा श्रवण से होता है मानव जीवन का कल्याण : रमाकांत बडोला

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : विकासखंड एकेश्वर स्थित शिव मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास रमाकांत बडोला ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन का कल्याण करता है। उन्होंने कहा कि जब भी कहीं भागवत कथा का आयोजन हो, प्रत्येक व्यक्ति को उसमें सहभागी बनकर कथा से मिलने वाली शिक्षा को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। शिव मंदिर कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 10 अगस्त तक किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष कुलदीप किशोर जोशी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे

हैं। कथा समापन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथा में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ कीर्तन मंडली एवं महिला मंगल दल की महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। इस अवसर पर समिति के सचिव तेजपाल पंवार, उपाध्यक्ष सुनील रावत, कोषाध्यक्ष हरीश बडोला, हरिओम पांडे, पंडित राकेश हिन्दवान, पंडित कृष्णकांत बडोला कुसुम देवी, सूची राणा, पुष्पेंद्र राणा, पीसी जदली, दिशा, दिव्या राणा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की कवायद तेज

जनपदवासियों से समय पर दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद रुद्रप्रयाग में 01 जुलाई, 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल मिश्रा ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि 14 जुलाई, 2026 को प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जा चुका है। इसके बाद 13 अगस्त, 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। वहीं, दावों एवं आपत्तियों एव नोटिस की सुनवाई केदारनाथ विधानसभा में 27 अगस्त ,जबकि रुद्रप्रयाग विधानसभा में 29 अगस्त तक कि जाएगी। उन्होंने बताया कि 01 अगस्त, 2026 तक जनपद में कुल 45,734 नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से 12,569 नोटिसों का वितरण किया जा चुका है। नोटिस वितरण की प्रक्रिया को और अधिक गति देने के लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, बूथ लेवल अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि जिन नागरिकों को अपने नाम, पते अथवा अन्य विवरण में संशोधन कराना हो, नया नाम जुड़वाना हो या किसी प्रकार की दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी हो, वे निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित बीएलओ, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा अन्य अधिकृत माध्यमों से आवेदन अवश्य करें।

युवाओं ने दिया नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : माई भारत चमोली के तत्वावधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर में जिला स्तरीय नशा मुक्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक एवं नशामुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कुल आठ विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें नृत्य, संगीत, कविता पाठ, चित्रकला, स्लोगन लेखन, रील मेकिंग सहित अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। प्रतिभागियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को उजागर करते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी डी.एन. द्विवेदी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा देने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम बनते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाना है।

बोर्ड बैठक में ग्रीन सेस टैक्स लागू करने का प्रस्ताव पास

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : छावनी परिषद लैंसडौन की बोर्ड बैठक में पर्यटन नगरी में ग्रीन सेस टैक्स लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। केंट का मानना है कि वर्षभर विशेष कर पर्यटन सीजन के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटकों के आगमन से नगर में ठोस कचरे का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में ग्रीन सेस के माध्यम से प्राप्त होने वाली आय का उपयोग स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने में किया जाएगा। छावनी परिषद ने ग्रीन सेस को केवल राजस्व का माध्यम ना बताते हुए कहा कि इसे स्वच्छता जागरूकता अभियान से भी जोड़ा जाएगा। इसी सोच के तहत शुल्क जमा करने वाले प्रत्येक पर्यटक को एक जूट का बैग उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि वह अपने आप उत्पन्न होने वाले कचरे को उसमें रख सके और डस्टबिन में डाल सके। बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों जिनके पास चौपाइयां वहां हैं उनसे 100 और दो पहिया वाहन वालों से 50 ग्रीन सेस शुल्क के रूप में वसूला जाएगा। इस प्रस्ताव को छावनी बोर्ड की बैठक में अंतिम मंजूरी दी गई है। वहीं छावनी अध्यक्ष ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी का कहना है। कि

ग्रीन सेस का मकसद सिर्फ राजस्व की प्राप्ति करना नहीं है। अपितु पर्यटकों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। हमारा लक्ष्य लैंसडौन को प्लास्टिक मुक्त करना है। छावनी बोर्ड की बैठक में जहां से टैक्स को अंतिम मंजूरी दी गई। वहीं छावनी शहर में इसका विरोध भी शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता हितेश शर्मा का कहना है कि पर्यटकों के द्वारा लैंसडौन में कई प्रकार के शुल्क जैसे पार्किंग शुल्क, प्रवेश शुल्क आदि दिए जा रहे हैं। पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए ना कि शुल्क बढ़ाने पर। उन्होंने कहा कि ग्रीन सेस शुल्क लागू होने से पर्यटकों पर आर्थिक प्रभाव पड़ेगा।

छात्र मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं को आत्मसात करें

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैण के हिंदी विभाग के तत्त्वावधान में महान कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चंद्र सिंह की अध्यक्षता में विशेष व्याख्यान एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा एवं साहित्य को और अधिक मजबूत बनाना, विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति अभिरुचि जागृत करना तथा आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रेमचंद जी की प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श करना था। संगोष्ठी में प्रेमचंद जी के कालजयी विचारों और उनके प्रसिद्ध कथन ह्लअन्याय का विरोध न करना भी अन्याय सहना ही जितना बड़ा अपराध हैह्व पर गहन मंथन हुआ। वक्ताओं ने रेखांकित

किया कि प्रेमचंद का साहित्य भारतीय समाज के यथार्थ, शोषित एवं वंचित वर्ग की संवेदनाओं को उजागर करता है और आज के दौर में भी समाज को दिशा दिखाने में पूरी तरह सक्षम है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. विमल कुकरेती, डॉ. रोशनी असवाल, डॉ. छाया, डॉ. बच्चन सिंह बिष्ट ने अपने सारगर्भित विचारों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने छात्रों को प्रेमचंद जी की रचनाओं को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतुल सिंह ने किया।

नौ अगस्त जमा करें शुल्क

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय परिसरों में संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसांई ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने निर्धारित न्यूनतम क्रेडिट पूरे कर दिए हैं वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट से आवेदनपत्र भरकर 1 से 10 अगस्त के बीच संबंधित प्रवेश समिति के समक्ष दस्तावेजों का सत्यापन कराकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। कहा कि ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करने के लिए पोर्टल 31 जुलाई से 9 अगस्त तक खुला रहेगा। नियमित विद्यार्थी पर लॉगिन कर शुल्क जमा कर सकते हैं। वही, तृतीय सेमेस्टर के पूर्वविद्यार्थियों को शुल्क जमा करने से पहले संबंधित प्रवेश समिति से अपना शुल्क सक्रिय कराना अनिवार्य होगा। इसके बाद वह विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से शुल्क जमा कर सकेंगे। (एजेंसी)

महिलाओं के धरने को पांच सौ दिन पूरे

श्रीनगर गढ़वाल : एलयूसीसी वित्तीय धोखाधड़ी मामले की पीड़ित महिलाओं के धरने को शनिवार को 500 दिन पूरे हो गए। इस उपलक्ष्य में पौड़ी अड्डा स्थित पीपलचौरी में महिलाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और उनसे ठगी गई धनराशि का जल्द भुगतान कराए जाने की मांग की।

उन्होंने कहा यदि शीघ्र उनका भुगतान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन करेंगे। धरने का नेतृत्व कर रहीं सरस्वती देवी ने कहा कि महिलाओं की ओर से लड़ी जा रही लंबी लड़ाई के बाद सरकार जागी है। अब उनकी ठगी गई राशि का भुगतान कराए जाने के लिए सरकार के स्तर से ठगी पीड़ित महिलाओं से फार्म भराए जा रहे हैं। इसके लिए मेरठ में रजिस्ट्रार को नियुक्त किया गया है, जबकि राज्य के ठगी पीड़ितों के भुगतान के लिए उत्तराखंड में ही रजिस्ट्रार नियुक्त किया जाना चाहिए था। कहा कि बताया जा रहा है कि ठगी करने वालों की साढ़े तीन सौ करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई है, सरकार इस संपत्ति को नीलाम कर तत्काल ठगी पीड़ितों का भुगतान कराए। इस मौके पर रेखा गोस्वामी, गंगा भंडारी, सरस्वती सजवाण, सीमा रावत, अरूणा, लक्ष्मी भट्ट, विद्या, हैप्पी पंवार, देवेश्वरी, बीना रावत, मीना रावत, जानकी बुटोला आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देते हुए पीपीपी मॉडल से विकसित होंगी पर्यटन परिसंपत्तियां

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने तथा पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला पर्यटन विकास समिति (डीटीडीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार, पर्यटन परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग, नई परियोजनाओं के विकास तथा स्थानीय रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि चमोली धार्मिक, साहसिक और प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से देश का महत्वपूर्ण जनपद है। ऐसे में पर्यटन परिसंपत्तियों का प्रभावी संचालन, आधुनिक सुविधाओं का विकास तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन से जुड़ी सभी योजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया जाए, ताकि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके और स्थानीय लोगों

की आजीविका के नए अवसर भी सृजित हों। बैठक में पर्यटन अवसंरचना के विकास, नई पर्यटन परियोजनाओं के लिए भूमि चिन्हीकरण, पर्यटन भूमि बैंक के निर्माण, पार्किंग, सार्वजनिक सुविधाओं, ट्रैक विकास, सौंदर्यीकरण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़ ने बताया कि जनपद में कुल 25 पर्यटक आवास गृह हैं, जिनमें से 20 का संचालन गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) द्वारा तथा दो का संचालन निजी निवेशकों द्वारा किया जा रहा है। एक पर्यटक आवास गृह निर्माणाधीन है। इसके अलावा जिले में छह पार्किंग परिसंपत्तियां, सात रैन बसेरे, पांच पर्यटक सूचना केंद्र सहित अन्य पर्यटन परिसंपत्तियों का संचालन भी किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बंद एवं असंचालित पर्यटन परिसंपत्तियों को सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से संचालित किया जाए।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए खुशखबरी

फिट हुआ टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी बुमराह

नई दिल्ली। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का भी ऐलान हो चुका है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर हुआ था। अब इनमें से एक खिलाड़ी पूरी तरह फिट हो गया है और टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को खुशखबरी मिली है। जानकारी के मुताबिक भारत के स्टार तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। पीटीआई की जानकारी के मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। अब उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है। बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं।'

हर्षित, नितीश, सुंदर सीरीज से बाहर- भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला से पहले भारत के लिए श्रीलंका में श्रृंखला को 2-0 के अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

इंडिया रॉयल्स का जीत से आगाज

बांग्लादेश को 19 रन से हराया; अंकतालिका में पाकिस्तान आखिरी पायदान पर

नई दिल्ली। जाम्बिया में खेली जा रही एशियन लीजेंड्स लीग 2026 के अपने पहले मुकाबले में इंडिया रॉयल्स की टीम ने बांग्लादेश टाइगर्स को मात दी है। इस मुकाबले में भारत के लिए नमन ओझा ने कप्तानी की। शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायडू, हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस मुकाबले में नहीं उतरे थे। अब रविवार को भारत का अगला मैच पाकिस्तान पैंथर्स की टीम से होगा। उस मुकाबले में कांटे की भिड़ंत हो सकती है। इस मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान नमन ओझा ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी चुनी थी। वह कुछ खास नहीं कर पाए थे और पारी की शुरुआत करते हुए 8 गेंद पर सिर्फ 1 रन बना सके। उनके बाद अभिषेक जलोटा 26 और असद पठान ने 22 रन की पारी खेली। अंत में सरुल कनवर ने नाबाद रहते हुए 40 रन की पारी खेली। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारत के लिए शादाब जकाती सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके अलावा अनुरीत सिंह ने किफायती गेंदबाजी के साथ-साथ दो विकेट भी झटके। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 12 रन ही दिए। अभिषेक जलोटा भी किफायती रहे। अभिषेक ने 3 ओवर में 11 रन देकर 1 विकेट झटका।

भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला, धवन, रैना, पठान समेत कई दिग्गज होंगे एक्शन में- इसी के साथ भारत ने बांग्लादेश को 136 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। भारत के लक्ष्य के सामने बांग्लादेश टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी।

डेकाथलन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने

तेजस्विन को घुटने में दिक्कत

जब तेजस्विन ने डेकाथलन की शुरुआत 100 मीटर इवेंट में 10.96 सेकेंड के साथ की तो ऐसा लगा कि घुटने में दिक्कत हो रही है, लेकिन लॉन्ग जंप के दूसरे इवेंट तक उन्होंने साबित कर दिया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। तेजस्विन ने लॉन्ग जंप में 7.82 मीटकर का रिकॉर्ड बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन है। इससे पहले उनका पर्सनल बेस्ट 7.67 मीटर था।

तेजस्विन शंकर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाये। उनका नेशनल रिकॉर्ड 8057 पॉइंट्स का है। लंबे समय से चली आ रही घुटने की समस्या के कारण तेजस्विन ने ग्लास्गो खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा से नाम वापिस ले लिया था। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था। इसके साथ ही वह दो राष्ट्रमंडल खेलों में अलग अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय बन गए।

शॉट पुट में औसत प्रदर्शन- शॉट पुट में तेजस्विन ने फिर से औसत प्रदर्शन किया और अपनी तीन कोशिशों में 13.09मीटर का बेस्ट थ्रो करके इवेंट को सातवें स्थान पर खत्म किया। फिर हाई जंप की बारी आई, जो शंकर का मजबूत पक्ष है। 2.29 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन घुटने की दिक्कत की वजह से उन्होंने 2.15 मीटर का बेस्ट जंप रिकॉर्ड किया और कुल 944 पॉइंट्स कमाए।

आठ इवेंट के बाद चौथे पर थे तेजस्विन- दिन के आखिरी इवेंट 400मीटर में तेजस्विन अपने पर्सनल बेस्ट 48.29 सेकेंड से काफी पीछे थे, लेकिन उन्होंने 49.51 सेकेंड का समय निकाला। पोल वॉल्ट में तेजस्विन ने 4.30 मीटर बहुत आसानी से पार कर लिया। आठ इवेंट के बाद, तेजस्विन 6637 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे, जबकि सैमी बॉल 6650 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर थे।

जेवलिन थ्रो के बाद तीसरे पर पहुंचे तेजस्विन- विक्टर ने जेवलिन थ्रो में 63.06 मीटर के बड़े थ्रो के साथ अपना गोल्ड मेडल पक्का किया और दूसरे नंबर पर रहे वार्नर से बड़ी बढ़त बना ली, जबकि तेजस्विन ने 53.12मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंका और 7272 पॉइंट्स के साथ मेडल की पोजीशन पर वापस आ गए।

तेजस्विन ने भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था

हांगझोउ एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता 27 वर्ष के तेजस्विन कनाडा के डेमियन वार्नर से पिछड़ गए जिन्होंने 8036 अंक लेकर रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर ने 8096 अंक लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तेजस्विन ने 9वीं स्पर्धा भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था। 1500 मीटर में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उसे बरकरार रखा।

नीरज चोपड़ा को रजत से करना पड़ा संतोष

- यशवीर ने 4 एथलीटों को पछाड़ ब्रॉन्ज झटका

नई दिल्ली। भारतीय भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा कठिन हालात में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यशवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार (31 जुलाई) को आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 4 एथलीटों को पछाड़ा। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन 28 वर्ष के नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.83 मीटर थ्रो फेंका जो दूसरे स्थान पर रहने के लिये काफी था। वह 19 जून को दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

सातवें से तीसरे पर पहुंचे यशवीर- राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार उतरे 24 बरस के यशवीर ने छठे और आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर थ्रो फेंककर सभी को चौंका दिया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर था। वह पांचवें दौर के बाद 81.33 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से सातवें स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास जबर्दस्त रहा। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले यशवीर छठे पर थे। वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वालकॉट ने 82.55 मीटर का थ्रो किया और भारतीय एथलीट सातवें पर पहुंच गया।

रूमेश थरंगा पथिरागे ने स्वर्ण जीता

श्रीलंका के स्टार रूमेश थरंगा पथिरागे ने अपेक्षा के अनुरूप 89.75 मीटर फेंककर स्वर्ण पदक जीता। बेहद सर्दी और तेज हवाओं के प्रदर्शन उनका यह प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने जून में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंका था।

अरशद नदीम 3 दौर के बाद बाहर- भारत के रोहित यादव 81.56 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे। वह कुछ देर के लिए तीसरे नंबर पर रहे, 81.56 मीटर के थ्रो के बाद काफी संघर्ष करते दिखे। पाकिस्तान के गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 77 .41 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदार और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट छठे स्थान पर रहे ।

हर्ष-अस्मिता गोल्ड, यामिनी ने जूडो में जीता सिल्वर

भारत के 20 पदक पूरे, 10वें दिन 13 मेडल दांव पर

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 20 मेडल पूरे हो गए हैं। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह के गोल्ड के बाद 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में यामिनी मौर्या इंग्लैंड की असेल्या टोपरैक से हार गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा है। भारत को 9वें दिन जूडो में दो गोल्ड और एक सिल्वर मिला और कुल पदकों की संख्या 20 तक पहुंच गई। नीरज चोपड़ा के मुकाबले का हालांकि, सभी को इंतजार है। अब 10वें दिन की बात करें तो 13 मेडल दांव पर होने वाले हैं। वहीं बॉक्सिंग में भारत के पांच फाइनल मुकाबले होंगे। प्रीति पवार, अरुंधति चौधरी, जदुमणि सिंह, अंकुश पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के फाइनल मुकाबले 10वें दिन 1 अगस्त 2026 को होंगे। यानी भारत को पांच मेडल बॉक्सिंग में मिल सकते हैं। इसके अलावा एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी गोल्ड मेडल दांव पर होंगे।

बॉक्सर अंकुश पंघाल की फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में प्रीति पवार के बाद 31 जुलाई शुक्रवार को भारत के एक और मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बना ली। 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अंशुल पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया और अपना कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया।

उनसे पहले महिला 54 किलोग्राम सेमीफाइनल मैच में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराते हुए फाइनल में एंट्री की थी। अंकुश पंघाल की लगातार दूसरे मैच में यह 5-0 से जीत है।

पाकिस्तान पैंथर्स को एशियन स्टार्स ने हराया

- डक पर आउट होने वाले दिलशान बने प्लेयर ऑफ द मैच, देवेन्द्र ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस सीजन के दूसरे मैच में पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स के साथ हुआ। मेहरान खान की कप्तानी में एशियन स्टार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को आसानी से 85 रन से हरा दिया और इस टीम की जीत में देवेंद्र सिंह की नाबाद तेज अर्धशतकीय पारी व तिलककरत्ने दिलशान की बेहतरीन गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में एशियन स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और इसके बाद 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का अच्छा स्कोर खड़ा दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान पैंथर्स की टीम की बल्लेबाजी एशियन स्टार्स की गेंदबाजी के सामने पूरी तरह से बिखर गई और ये टीम 20 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। दिलशान हालांकि इस मैच में डक पर आउट हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मिनट में दूसरा गोल्ड

प्रीति के बाद जैस्मिन ने बॉक्सिंग का फाइनल जीता

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने सातवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी कैटेगरी के फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को हराकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस बॉक्सिंग के 54 केजी वर्ग में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत के 7 गोल्ड सहित कुल 27 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है।वहीं, भारत के 8 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे।

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

जसपाल राणा से अभिवन बिंद्रा तक...

12 भारतीयों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 5 से ज्यादा मेडल, पांच ओलंपिक मेडलिस्ट भी बने

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं हैं, लेकिन 5 या उससे ज्यादा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। भारतीय खिलाड़ियों ने वैसे तो कॉमनवेल्थ गेम्स में कई प्रतियोगिताओं में मेजल जीतने का कमाल किया है, लेकिन सबसे ज्यादा सफलता भारतीय खिलाड़ियों को शूटिंग में ही मिली है और आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

जसपाल राणा ने जीते सबसे ज्यादा 15 पदक- कॉमवेल्थगेम्स गेम्स के इतिहास में ऐसे कौन-कौन खिलाड़ियों हैं जिन्होंने भारत के लिए 5 या उससे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल किया है हम ऐसे 12 खिलाड़ियों का जिक्र करने जा रहे हैं और यही नहीं इन 12 खिलाड़ियों में 5 ऐसे भी हैं जिन्होंने ओलंपिक में भी देश के लिए मेडल जीते हैं। कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के

लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल पूर्व भारतीय शूटर जसपाल राणा ने किया था जिन्होंने कुल 15 पदक अपने नाम किए थे जिसमें 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रान्ज मेडल शामिल थे। हालांकि राणा कभी देश के लिए ओलंपिक मेडल नहीं जीत पाए थे।

समरेश जंग ने भी लहराया परचम- समरेश जंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में अपना परचम जब-जब मौका मिला लहराया और उन्होंने कुल 14 पदक देश के लिए जीते थे जिसमें 7 गोल्ड, 5 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल थे। हालांकि समरेश भी कभी ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत पाए। भारत के स्टार टेबल टेनिस प्लेयर अचंता शरत कमल ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में अपना लोहा मनवाया था और 13 पदक इसकी गवाही देते हैं। उन्होंने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में कुल 7 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। गगन नारंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 10 मेडल जीते थे और उन्होंने 2012 ओलंपिक में भी देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने का कमाल किया था।

अभिनव बिंद्रा के नाम कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 7 पदक- भारतीय शूटिंग के सरताज अभिनव बिंद्रा ने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में देश के लिए कुल 7 मेडल जीतने का कमाल किया था जिसमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल थे तो वहीं अभिनव ने साल 2008 ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया था। शूटर तेजस्विनी सावंत ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए कुल 7 मेडल जीते थे जबकि विजय कुमार ने 6 मेडल जीतने का कमाल किया था और विजय ने 2012 ओलंपिक में भी भारत के लिए सिल्वर जीता था।